माघ शुक्ल पक्ष-6, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 270 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 मार्च 2024 शुक्रवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

दो नए आयुक्तों की आमद के साथ एक्शन में चुनाव आयोग, इधर मप्र में अफसरों की नई जमावट

अंततः मुहुर्त तय, कल दोपहर चुनाव की तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली , एजेंसी।

दो नए चुनाव आयुक्तों द्वारा कार्यभार संभालने के बाद अब आयोग एक्शन में हैं। आज सुबह दोनों की मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ लंबी बैठक के बाद लोकसभा चुनाव की सभी जरूरी तैयारियों पर बात के साथ ही चुनाव की तारीखों के ऐलान का भी 'मुहुर्त' तय लगने लगा है। उम्मीद है कि कल दोपहर तीन बजे चुनाव की तारीखों का ऐलान होगा। चुनाव आयोग से जानकारी निकल रही है कि कल लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो जाएगा। आम चुनाव के साथ ही कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान शनिवार दोपहर करीब 3 बजे किया जाएगा। चुनाव आयोग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चुनाव तारीखों के एलान की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

पिछली बार 7 चरणों में हुए थे लोकसभा चुनाव

आज लोकसभा चुनाव की तैयारियों को बैठक करीब पचास मिनट चली। नवनियुक्त आयुक्तों के औपचारिक स्वागत के बाद पूर्ण आयोग यानी फुल कमीशन की मीटिंग शुरू हुई थी। ज्ञात हो कि 2019 में लोकसभा चुनाव सात चरणों में करवाए गए थे। पिछली बार 10 मार्च को चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान किया था।

पहले चरण की वोटिंग 11 अप्रैल और आखिरी चरण के लिए 19 मई को वोटिंग हुई थी नतीजे 23 मई को आए थे। उस चुनाव के वक्त देश में 91 करोड़ से ज्यादा वोटर्स थे, जिनमें से 67 फीसदी ने वोट डाला था।

नतीजों पर नजरें 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 2014 से भी बड़ी जीत हासिल की थी। उसने 282 सीट के मुकाबले 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, एनडीए ने 353 सीटें हासिल की थी। बीजेपी को 37.7 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे, कांग्रेस 52 सीटों पर ही जीत सकी थी। इस बार चुनाव की परिस्थितियां और विरोधी दलों के तेवर भी अलग हैं। इस बार सत्तारूठ भाजपा एनडीए और कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया का आकार भी अलग है।

पूरी रात अफसर मंथन, तड़के 53IAS-SASअफसर बदले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार ने आज तड़के 53आईएएस व राप्रसे अफसरों के तबादले कर दिये हैं। इसमें प्रमुख सचिव से लेकर कई रसूखदार अफसर व जिलों में पदस्थ आईएएस प्रभावित हुए हैं। नौ नए आईएएस को सहायक कलेक्टर बनाया। लोकसभा चुनाव का ऐलान होने के ठीक पहले इन तबादलों के कई निहितार्थ हैं। सरकार के कई जिले के कलेक्टर भी बदले है। इस तरह सरकार ने प्रशासनिक तौर पर नई जमावट भी कर ली है। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को भी बदला गया है।

सूत्र बताते हैं कि आधी रात तक मंथन के बाद सरकार ने सूची जारी करने का फैसला किया और तड़के करीब साढे तीन बजे यह सूची निकली। सरकार ने राजभवन में पदस्थ संजय कुमार शुक्ला को अब महिला बाल विकास विभाग का पीएस बनाया है,ऊनके पास आर्थिक व सांख्यिकी का अतिरिक्त प्रभार भी है। वहीं मुकेश गुप्ता को योजना आर्थिकी से राज्यपाल का प्रमुख सचिव बनाया है।

कई कलेक्टर व प्रमुख सचिव स्तर के अफसर बदले

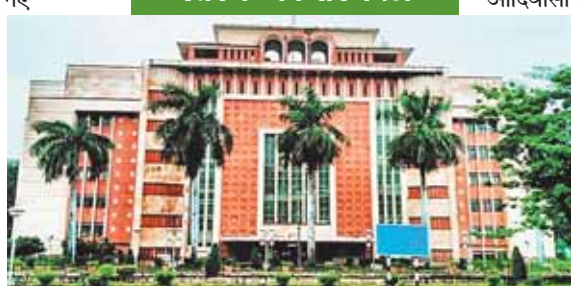

विवेक पोरवाल राजस्व आयुक्त से अब स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा, नवनीत कोठारी मछुआ कल्याण से सूक्ष्म व लघु उद्योग विभाग लाया गया है। पी नरहरि अब लघु उद्योग से पीएचई के सचिव बने हैं। धनंजय भदौरिया पंचायत ग्रामीण विका से एमडी कृषि विपणन बोर्ड व आयुक्त मंडी, बाबू सिंह जामोद योजना आर्थिक सचिव से कमिश्नर शहडोल, मालसिंह भयडिया को सचिव खादी ग्रामोधेग बोर्ड, श्रीमन शुक्ला को आयुक्त मंडी से सचिव योजना आर्थिकी, शिल्पा गुप्ता को आयुक्त लोक शिक्षण, वंदना वैध कलेक्टर शहडोल को अपर आयुक्त आदिवासी विकास,अनुभा श्रीवास्तव लोक शिक्षण से राजस्व विभाग, शशिभूषण सिंह को संचालक उद्यानिकी, सतेंद्र सिंह को कलेक्टर गुना, छोटे सिंह सचिव राजसव मंडल, अक्षय सिंह अपर सचिव साप्रवि, सुरेश कुमार कलेक्टर पन्ना, हरजिंदर सिंह अपर सचिव पशुपालन, तरूण भटनाकर कलेक्टर शहडोल,अमनबीर सिंह बैंस कलेक्टर गुना से अब एमडी ऊर्जा विकास निगम, फेंक नौबल आयुक्त नगर निगम भोपाल से उपसचिव नगरीय प्रशासन, चंद्रशेखर शुक्ला कलेक्टर सिंगरौली, हर्षल पंचोली अपर कलेक्टर भोपल,हरेंद्र नारायण अपर कलेक्टर भोपाल से नगर निगम आयुक्त भोपाल पदस्थ किये गये हैं।

कांग्रेस नेता संघवी और दरबार भाजपा में शामिल

भोपाल। आज भाजपा ने कांग्रेस को एक और झटका दिया, जब इंदौर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज संघवी भाजपा में शामिल हो गए।महू से विधायक रहे पूर्व कांग्रेस नेता अंतर सिंह दरबार ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। यह दोनों नेता अपने सैकड़ों समर्थकों से साथ भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश शासन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अंतर सिंह दरबार को टिकट नहीं दिया था। इस पर उन्होंने पार्टी से बगावत करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ा था।

भोपाल में पेट्रोल अब 106

भोपाल। केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम प्रति लीटर 2 रुपए कम कर दिए हैं। शुक्रवार सुबह 6 बजे से नई कीमतें लागू हो गईं। मध्यप्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल नए रेट पर मिलने लगा है। भोपाल में अब एक लीटर पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 91.70 रुपए में मिल रहा है। दूरी के हिसाब से 20-30 पैसे कम-ज्यादा भी हैं।

बांड के नंबर क्यों नहीं दिए ताकि दानदाताओं व दलों में लिंक पता चले

सुप्रीम कोर्ट सख्त, 18 मार्च तक समय

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर शीर्ष अदालत को सौंपे गए चुनावी बॉन्ड पर सीलबंद लिफाफे वापस करने की चुनाव आयोग की मांग पर कोर्ट ने एसबीआई से पूछा है कि उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड के नंबर्स क्यों जारी नहीं किए, जिनसे दानदाता और राजनीतिक पार्टियों के बीच का लिंक पता चल सके। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मार्च तक एसबीआई से इस मामले पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान पीठ के फैसले में स्पष्ट किया गया था कि चुनावी बांड के सभी विवरण मतलब खरीद की तारीख, खरीदार का नाम और मूल्यवर्ग सहित उपलब्ध कराए जाएंगे, लेकिन एसबीआई ने ऐसा नहीं किया।

दरअसल, चुनावी बांड मामले में शीर्ष अदालत ने 11 मार्च को एसबीआई को निर्देश दिया था कि वह 12 मार्च को चुनाव आयोग को बांड के विवरण का खुलासा करे। शीर्ष अदालत ने 11 मार्च को आदेश देते हुए कहा था कि अदालत के समक्ष ईसीआई द्वारा दायर किए गए बयानों की प्रतियां ईसीआई के कार्यालय में रखी जाएं। बीती 15 फरवरी को पांच जजों की संविधान पीठ ने केंद्र की इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना को असंवैधानिक बताते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

येदियुरप्पा के खिलाफ नाबालिग के यौन शोषण पर एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा (81) के खिलाफ पास्को एक्ट के तहत केस दर्ज होने के बाद सियासी गर्मी भी है। येदियुरप्पा के खिलाफ नाबालिग के यौन शोषण का आरोप है। मामला पिछले महीने का है। महिला के आरोपों के बाद केस दर्ज किया गया है। महिला का कहना है कि वह अपनी बेटी के खिलाफ बलात्कार के मामले में न्याय की मांग करते हुए 2 फरवरी को येदियुरप्पा के आवास पर गई थी और मांग की थी कि मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए। मगर येदियुरप्पा कथित तौर पर नाबालिग को एक कमरे में ले गए, दरवाजा बंद कर दिया और उसका यौन उत्पीड़न किया। महिला ने एफआईआर में आरोप लगाया कि जब उसने येदियुरप्पा की हरकत पर आपत्ति ली, तो उन्होंने कहा कि वह जांच कर रहे थे कि लड़की के साथ बलात्कार हुआ है या नहीं। बाद में येदियुरप्पा ने कथित तौर पर माफी मांगी और महिला से मामले के बारे में किसी को नहीं बताने को कहा। वहीं येदियुरप्पा ने कहा है कि कुछ दिन पहले एक महिला मेरे घर आई थी। वह रोते हुए कह रही थी कि कुछ समस्या है। मैंने उससे पूछा कि मामला क्या है और मैंने खुद पुलिस को फोन किया, कमिश्नर को मामले की जानकारी दी और उसकी मदद करने को कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद है।

भोजपुर अब यूनेस्को विश्व धरोहरों की सूची में

भोपाल। प्रदेश को जल्द ही छह नए वैश्विक महत्व के विरासत स्थल मिलने वाले हैं। अब यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल में शामिल होने के लिए राज्य के छह पर्यटन स्थलों की दावेदारी मजबूत हो गई है। इन छह दर्शनीय स्थलों के नाम यूनेस्को ने अपनी अस्थायी सूची में शामिल किए हैं। ये दर्शनीय स्थल हैं ग्वालियर किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा, बुरहानपुर और रामनगर मंडला का गोंड स्मारक। इन दर्शनीय स्थलों को विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा भारत की अस्थायी सूची में जोड़ा गया है। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हर्ष जाहिर किया।

शेयर बाजार में बिकवाली हावी, निफ्टी सेंसेक्स फिसले

मुबंई । अमेरिका में ब्याज दरों में तेजी को लेकर बढ़ती चिंताओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की कमजोरी के बीच भारतीय शेयर सूचकांक आज शुक्रवार को लाल निशान पर खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 416 अंकों की गिरावट के साथ 72,681 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। निफ्टी 136 अंकों की गिरावट के साथ 22,010 पर कारोबार करता दिखा। स्मॉलकैप और मिड-कैप शेयर शुरुआती कारोबार में 0.8प्रतिशत और 0.45 प्रतिशत की बढ़त आई।

ब्रह्मांड में दिखा बड़ा सा 'हीरों का हार'!

नई दिल्ली , एजेंसी।

कहा जाता है कि यूनिवर्स यानी ब्रह्मांड एक ऐसी जगह है जो रहस्यों से भरी हुई है. इसके बारे में बहुत कुछ जानने का बावजूद बहुत कुछ ऐसा है जिससे वैज्ञानिक अभी भी अंजान हैं। यूनिवर्स में कभी प्रकृति के खूबसूरती देखने को मिलती है तो कभी उसका विकराल रूप। हाल में एरोनॉटिकल्स और स्पेस रिसर्च एजेंसी नासा ने इसी यूनिवर्स की जो तस्वीर जारी की वह बेहद खूबसूरत है। अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने जो तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की उसमें ब्रह्मांड में बड़ा सा हीरों की हार दिख रहा है जो तेज चमक रहा है. धरती से 15 हजार लाइट ईयर दूर की ये तस्वीर हबल स्पेस टेलिस्कोप से ली गई है।

कैसे बना नेकलेस नेबुला?

दरअसल, ये 'कॉस्मिक ज्वेलरी' नामक एक असाधारण खगोलीय घटना है। इस ब्रह्मांडीय दृश्य को नेकलेस नेबुला का उपनाम दिया गया है। नासा ने कहा, 'इसका निर्माण सूरज जैसे पुराने तारों द्वारा किया गया था, जो टाइटली ऑर्बिट कर रहे है। नासा ने इसके बारे में लिखा है कि उम्रदराज़ तारों में से एक का विस्तार हुआ और उसने अपने छोटे साथी को घेर लिया, लेकिन छोटा तारा अपने बड़े साथी के अंदर परिक्रमा करता रहा'।

मेट्रो एंकर अमेरिका के दो बड़े विश्वविद्यालयों से छात्रवृत्ति का ऑफर....

रसोइए की बेटी ने ऐसा कुछ किया कि नम हो गई सीजेआई चंद्रचूड़ की आंखें

नई दिल्ली , एजेंसी।

यदि किसी बेटी के पिता सर्वोच्च अदालत में रसोइया हों और उनकी बेटी अगर कानून की पढ़ाई में दुनिया के सबसे चर्चित दो विश्वविद्यालयों से स्कॉलरशिप का ऑफर मिले तो किसकी आंखें नम न हो जाएंगी? प्रज्ञा नामक युवती का किस्सा कुछ यही है। प्रज्ञा की उम्र 25 साल है और पिता सुप्रीम कोर्ट में रसोइया के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। कम पैसे और आर्थिक चुनौतियों के बाद भी बेटी ने अपनी मेहनत का लोहा मनवाया है। प्रज्ञा को अमेरिका के दो बड़े विश्वविद्यालयों की ओर से छात्रवृत्ति का ऑफर मिला, वहीं प्रज्ञा की ख्याति ऐसी फैली कि खुद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ व सुप्रीम कोर्ट के अन्य जजों ने भी सम्मानित किया है। इस घटना का 40 सेकेंड का एक वीडियो जारी हुआ है। जिसमें सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट के अन्य सभी जज उन्हें बधाई दे रहे हैं। प्रज्ञा की मां और कोर्ट में रसोइये के तौर पर काम कर रहे उनके पिता अजय कुमार सामल को भी सम्मानित किया गया। सीजेआई बोले हम सभी के लिए गर्व की बात है'।

मेहनती छात्रों को मिले संसाधन

सीजेआई ने प्रज्ञा को सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों की ओर से एक हस्ताक्षरित एक किताब सौंपी। प्रज्ञा ने कहा, 'यह एक विशेषाधिकार और सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं और आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपको संसाधन मिलेंगे. देश में ऐसा नहीं होना चाहिए कि जो छात्र मेहनती है, उसे संसाधन न मिले। यह हमारी जिम्मेदारी है।' सीजेआई ने कहा यह सुनिश्चित करना सरकार के साथ-साथ नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि हर बच्चा, जो उच्च शिक्षा हासिल करना चाहता है या खेल में उत्कृष्टता हासिल करना चाहता है, अपने सपनों को हासिल कर सके।'

किसी भी युग में महिलाओं के बिना दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती : अरुणा राव

मप्र भोज मुक्त विवि में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुणा मोहन राव, मुख्य वक्ता के रूप में कला मोहन, संस्थापक, निदान संस्थान, भोपाल उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने की। इस अवसर पर पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुणा मोहन राव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को किसी विशेष दिवस की जरूरत नहीं, हर दिन महिला दिवस होता है। आज क्या बल्कि किसी भी युग में महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती है। महिला ही मानव दुनिया की उत्पत्ति का कारक है। अरुणा मोहन राव ने अर्धनारीश्वर भगवान शिव का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान ने तो हमारी रचना में कोई कसर नहीं छोड़ी किंतु यह हम और हमारा समाज है, जो नारी और पुरुष में भेदभाव करते हैं।

आपकी नीयत शुद्ध होती है, सफलता भी अवश्य मिलती है : कला मोहन

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद और मनोवैज्ञानिक कला मोहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि, निदान में बच्चों के काउंसलिंग और देखभाल की जाती है। यह एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के लिए और वह भी एक मूल्यों पर विश्वास करने वाले शिक्षक के लिए यह सफर आसान नहीं था। लेकिन जहां आपकी नीयत शुद्ध होती है, पवित्र होती है, तो आपको सफलता भी अवश्य मिलती है।

अगर आप सोचते हैं कि, आप कर सकते हैं, तो फिर आप निश्चित ही कर सकते हैं- प्रो. संजय तिवारी: मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, अगर आप सोचते हैं कि, आप कर सकते हैं तो फिर आप निश्चित ही कर लेंगे। प्रकृति के बाद ईश्वर के सबसे सशक्त हस्ताक्षर यदि कोई है तो वह नारी है। आज नारी की सुरक्षा और समानता की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, जब तक स्त्रियां शिक्षित नहीं होंगी, तब तक समाज आगे नहीं बढ़ेगा, देश आगे नहीं बढ़ेगा।

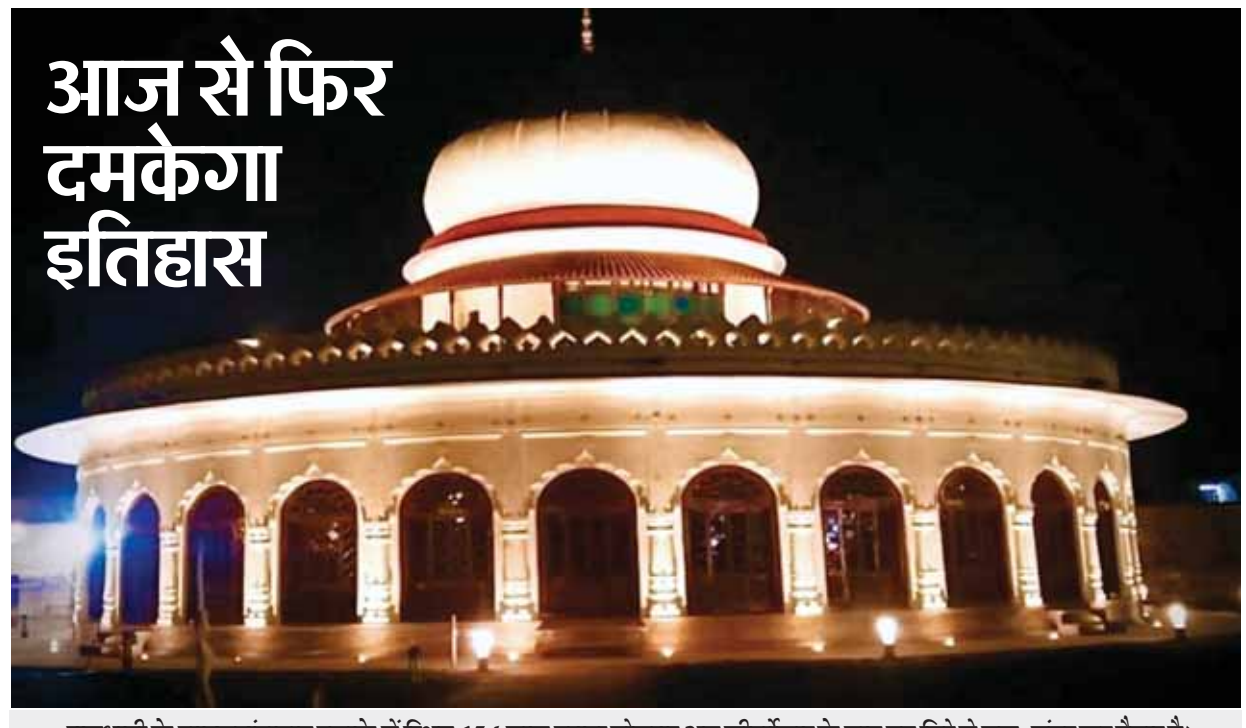

आज से फिर दमकेगा इतिहास

राजधानी के शाहजहांनाबाद इलाके में स्थित 154 साल पुराना गोलघर अब जीर्णोद्धार के बाद नए सिरे से सज-संवर कर तैयार है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव दोपहर बाद इसका लोकार्पण कर रहे हैं। गोलघर में पुराने भोपाल की सभी कला परंपराओं के साथ ही परी बाजार को भी पुनर्जीवित किया जाएगा। दरअसल, परी बाजार महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो भोपाल की बेगमों द्वारा महिलाओं के माध्यम से महिलाओं के लिए संचालित किया जाता था। यहां एक संग्रहालय और पुस्तकालय बनाने की भी योजना है।

कलेक्टर ने आदेश जारी कर कहा

संबंधित एसडीएम एवं जिला शिक्षा अधिकारी इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराएंगे

निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन का हंटर

निजी स्कूलों ने विशेष दुकानों से कॉपी-किताबें व ड्रेस खरीदने का दबाव बनाया, तो होगी 144 की कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निजी स्कूलों की मनमानी से परेशान विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर है। जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों की किताबों और फीस को लेकर मनमानी पर लगाम लगाते हुए नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को विशेष दुकानों से कॉपी-किताब व ड्रेस खरीदने का दबाव बनाने पर धारा 144 के तहत कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। संबंधित एसडीएम एवं जिला शिक्षा अधिकारी इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराएंगें। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, विद्यालय के प्राचार्य, प्रबंधक के विरुद्ध भारतीय दण्ड विधान की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। वहीं दूसरी ओर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भोपाल संभाग अरविंद चौरगड़े ने भी संभाग के भोपाल, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को नियमों का पालन सख्ती से कराने के आदेश दिए हैं।

शिक्षण सामग्री पर स्कूल का नाम नहीं होगा अंकित

आदेश में यह भी कहा गया है कि किसी भी प्रकार की शिक्षण सामग्री पर विद्यालय का नाम अंकित नहीं होना चाहिए। विद्यालय के सूचना पटल पर यह भी अंकित किया जाए कि किसी दुकान विशेष से सामग्री क्रय करने की बाध्यता नही है। कही से भी पुस्तकें, यूनिफार्म व अन्य आवश्यक सामग्री क्रय की जा सकती है। पुस्तकों के अतिरिक्त शालाओं द्वारा यूनीफार्म, टाई, जूते, कापियों आदि भी उन्ही की शालाओं से उपलब्ध, विक्रय कराने का प्रयास नहीं किया जाएगा। विद्यालय की स्टेशनरी, यूनिफार्म पर विद्यालय का नाम प्रिंट कराकर दुकानों से क्रय करने अथवा एक विशिष्ट दुकान से यूनिफार्म, पाठ्यपुस्तक बेचना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

सत्र शुरू होने से पहले सार्वजनिक करनी होगी जानकारी

जारी आदेश अनुसार भोपाल जिले में संचालित सभी निजी स्कूल, जों माध्यमिक शिक्षा मण्डल, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अथवा आई.सी.एस.ई. बोर्ड से सम्बद्ध हैं। इन सभी विद्यालयों को मप्र राजपत्र असाधारण 2 दिसम्बर 2020 स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में उल्लेखित निर्देशों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। सभी निजी स्कूलों के लिये यह अनिवार्य है कि वे आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पूर्व लेखक एवं प्रकाशक के नाम तथा मूल्य के साथ कक्षावार पुस्तकों की सूची विद्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करें और शाला के विद्यार्थियों को ऐसी सूची मांगने पर उपलब्ध कराई जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकगण इन पुस्तकों को उनकी सुविधा अनुसार खुले बाजार से क्रय कर सके। प्रत्येक स्कूल प्रबंधक, प्राचार्य अपने स्कूल में प्रत्येक कक्षा में लगने वाली पाठ्य पुस्तकों तथा प्रकाशक की जानकारी को वेबसाइट पर अनिवार्यतः प्रेषित करें।

किसी एक विक्रेता का एकाधिकार न हो

इधर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भोपाल संभाग अरविंद चौरगड़े ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जिले के समस्त एमपी बोर्ड, सीबीएसइ, आईसीएसई स्कूलों को निर्देशित करें, कि प्री-प्राईमरी, कक्षा 1 से कक्षा-12वी तक की कक्षाओं में लगने वाली पुस्तको, कॉपियों, यूनिफार्म की सूची 31 मार्च 2024 तक अनिवार्यतः अपने विद्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के साथ स्कूल की वेबसाईट पर भी अपलोड की जाए। इन पुस्तकों, कॉपियों, यूनिफार्म की सूची की एक प्रति अपने कार्यालय में भी मंगवाना सुनिश्चित करें। यह भी सुनिश्चित करें, कि किसी एक विक्रेता का एकाधिकार न हो। साथ ही जिन विद्यालयों ने बिना पाठ्यक्रम परिवर्तित हुए विगत वर्ष की प्रचलित पुस्तक व प्रकाशको को परिवर्तित किया है, इसकी जांच कराकर प्रतिवेदन इस कार्यालय में प्रेषित करें।

मिली रहीं हैं शिकायतें

जारी आदेश में जेडी ने कहा है कि यह शिकायत प्राप्त होती रहती है कि विद्यालय द्वारा उनके यहां संचालित कक्षाओं में पढ़ाई जाने वाली पुस्तको की सूचियां, कॉपियां एवं यूनिफार्म के संबंध में समय रहते जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती है, जिसके कारण पुस्तक, नोटबुक एवं एवं यूनिफार्म के विक्रय के लिए स्वस्थ्य स्पर्धा प्राप्त नहीं होती है एवं जिसके कारण पुस्तको, कॉपियों, यूनिफार्म के मनमाने दाम वसूले जाते है, बिना आधार के पुस्तकों को प्रतिवर्ष बदल कर, उसके स्थान पर महंगी पुस्तके खरीदने के लिए पालक पर दबाव बनाया जाता है।

एनआईटीटीटीआर

अकादमिक वर्ष में 324 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे

119 विभागीय प्रोग्राम, 5 विकसित भारत, 8 पीएम गति शक्ति पर होंगे आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) का वर्ष 2024-2025 का वार्षिक अकादमिक ट्रेनिंग प्रोग्राम कैलेण्डर निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर प्रो. त्रिपाठी ने कहा की सभी प्रोग्राम राज्यों की मांग, राष्ट्रीय आवश्यकता एवं प्राथमिकताओं के अनुसार होंगे। इन कार्यक्रमों में आगामी अकादमिक वर्ष में कुल 324 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कैलेंडर में 119 विभागीय प्रोग्राम, 12 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 10 एनबीए एक्रीडिटेशन, आउटकम बेस्ड एजुकेशन, 4 एडवांस पेडागोजी, इंडियन नॉलेज सिस्टम, 18 बिजनेस एंड सॉफ्ट स्किल्स, इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, 5 विकसित भारत, 8 पीएम गति शक्ति, इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान, सेंटर ऑफ एक्सपेरिएंसियल लर्निंग, विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित फॉरेन टीचर्स के लिए कार्यक्रम, मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन, 9 राजभाषा, विभिन्न केंद्रीय संस्थानों के साथ 6 संयुक्त कार्यक्रम आदि शामिल हैं। सभी ट्रेनिंग प्रोग्राम संस्थान के लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम ई-प्रशिक्षण के माध्यम से किये जायेंगे। देशभर के शिक्षक नितर भोपाल की वेबसाइट के माध्यम से इन प्रोग्राम में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

टीचर्स के लिए 16 विशेष कार्यक्रम

प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि इन कार्यक्रमों में देश भर के शिक्षक भाग ले सकेंगे। इन संस्थानों के सपोर्टिंग स्टाफ की क्षमता संवर्धन के लिए भी 13 ट्रेनिंग की जाएगी। इस वर्ष नितर भोपाल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में टीचर्स के लिए 16 विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे

शाकिर अली की याद में सभा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अपने समय के दिग्गज कम्युनिस्ट नेता कॉमरेड शाकिर अली खान की 46 वीं बरसी पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद के तत्वावधान में स्थानीय शाकिर सदन में 'कॉमरेड शाकिर अली खान को याद करने का अर्थ ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।संगोष्ठी की अध्यक्षता कॉमरेड डीडी शर्मा ने की । संगोष्ठी में प्रबुद्ध वक्ताओं ने कॉमरेड शाकिर अली खान के प्रेरक अवदान को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की । संगोष्ठी की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने कहा कि 'शाकिर अली खान साहब को याद करने का अर्थ समाजवाद और धर्म निरपेक्ष मूल्यों के लिए हमारी प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है।शाकिर साहब की यादें फासीवाद के खिलाफ हमारे प्रतिरोध को और अधिक प्रखर करती हैं।'

21 किलोमीटर मैराथन में मोनिया कापसे प्रथम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। संतनगर की मोनिका कापसे ने खजुराहो में 21 किलोमीटर मैराथन रेस में प्रथम स्थान पाया। प्रतियोगिता 03 मार्च को खजुराहो में आयोजित की गयी थी। मोनिका को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी, राज कुमार गर्ग, मुख्य सलाहाकार रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, जीतू शिवनानी, महेश दरयानी, नरेन्द्र टहलानी, सलाहाकर प्रभु मूलचंदानी, महासचिव राजेश केवलानी, सचिव जगदीश सांवले, गुरदास रामचंदानी, राजकुमार धानुक, प्रियांशु तेजवानी, खेमचंद निहचलानी ने बधाई दी है।

सिंधी पंचायत विजय नगर ने चैतीचांद का प्रोग्राम तय किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज उत्थान पंचायत विजयनगर में हितेश नरयानी को ऑडिटर बनाया गया है। पंचायत विजयनगर की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि युवाओं को समाज की सेवा में आगे किया जाए।

पंचायत की बैठक में चैतीचांद पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। आयोजन की रूपरेखा भी तय की गई। चैतीचांद उत्सव की शुरूआत प्रभात फेरी के साथ होगी। इसके बाद श्री झूलेलालजी की आरती, भजन संध्या, सिंधी भजन, और सांस्कृतिक कार्यक्रम व सुखो सेसा का वितरण किया जाएगा। पंचायत ने विजय नगर, ओम नगर, सावन नगर वल्लभ नगर के सिंधी जनों से श्री हरी सेवा गंगा धाम दरबार में आकर श्री झूलेलाल साईं का अवतरण दिवस मनाने का आग्रह किया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि जो लोग विजय नगर उत्थान पंचायत का आजीवन सदस्य बनना चाहता है वो रुपए 500 रूपये जमा कर सदस्य बन सकते हैं। पंचायत अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने यह जानकारी दी।

इस अवसर पर संरक्षक रमेश भंभानी, महासचिव अशोक टिलवानी, मुख्य सलाहकार हीरानंद गनवानी, उपाध्यक्ष जितेंद्र सदाना, कोषाध्यक्ष किशन मुर्जानी और सचिव कैलाश आसवानी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | **मिठी-नवनिध के हुए ओरिएंटेशन प्रोग्राम**

अभिभावकों, विद्यार्थियों को बताए स्कूल के नियम, पालन की अपेक्षा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालाणी एज्युकेशन सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल एवं नवनिध स्कूल में अलग-अलग ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किए गए, जिसमें 11 वीं के स्टॅडेंट्स एवं परेंट्स ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मूल उद्देश्य छात्रों के माता-पिता को स्कूल में संचालित स्किल्स इन्हेंसमेंट, अनुशासन के नियम, दिशा-निर्देशों, शिक्षण विधियों एवं विभिन्न शैक्षिक कौशलों एवं विकास कार्यशाला से परिचित कराना था। इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के सचिव ए. सी. साधवानी ने कहा कि समय का अनुपालन करना श्रेष्ठता, आपसी समझ एवं आदर

की पहचान है। उन्होनें आगे कहा कि बच्चों को संस्कारी बनाने हेतु माता-पिता एवं शिक्षकों का समान योगदान है। बच्चों को 10वीं के बाद जिन भी विषये का चयन करना हैं उन्हें श्रेष्ठता के आधार पर करना चाहिए जिसमें बच्चे अपना सर्वांगीण विकास कर सकें और जो उनकी रुचि के अनुकूल हो। मिठी के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह और नवनिध की अमृता मोटवानी ने कहा कि पालकों एवं बच्चों को रुल्स एवं रेगुलेशन का पालन अनिवार्य करना चाहिए। इस अवसर पर एकेडमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, वरिष्ठ मैनेजमेंट मेंबर घनश्याम बूलचंदानी उपस्थित रहे।

14 जिलों में डीपीसी के खाली पदों को भरने शिक्षकों की कराई लिखित परीक्षा

60 से अधिक शिक्षक परीक्षा में हुए शामिल हुए, अब साक्षात्कार कराए जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रदेश के 14 जिलों में खाली जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) के पदों पर प्रतिनियुक्ति के लिए आवेदन बुलाए गए थे। सत्यापन के बाद पात्र पाए गए 60 से अधिक शिक्षकों की लिखित परीक्षा बुधवार को कराई गई। राजधानी के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में इन शिक्षकों ने 90 मिनट की परीक्षा दी। जिसके बाद अब शिक्षकों का साक्षात्कार होगा। वहीं दूसरी ओर इस परीक्षा से वंचित हुए शिक्षकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि डीपीसी पदों हेतु सहायक संचालक, प्राचार्य, व्याख्याता पदों पर पदस्थ लोक सेवकों को पात्रता प्रदान की गई थी, जबकि व्याख्याता पद के समकक्ष उच्च माध्यमिक शिक्षकों ने भी आवेदन कर न्यायालय की शरण ली। इसके फलस्वरूप उनको भी परीक्षा में शामिल किया गया। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र और परीक्षा केंद्र भोपाल पर उपस्थित अधिकारियों ने सिर्फ उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले उच्च माध्यमिक शिक्षक को कोर्ट की कापी दिखाने पर डीपीसी की परीक्षा में शामिल किया गया। जबकि अन्य उच्च माध्यमिक शिक्षक जिनके पास कोर्ट की कापी नहीं थी, उन्हें परीक्षा में बैठने से वंचित किया गया। इसको लेकर संगठन जल्द ही स्कूल शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव से मिलेगा।

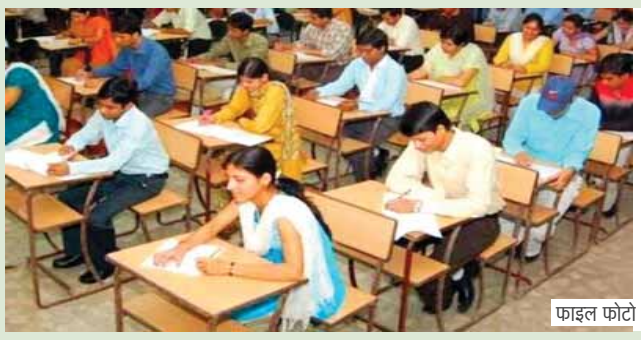

फाइल फोटो

न्यूनतम 40 अंक लाना अनिवार्य

लिखित परीक्षा 75 अंको तथा साक्षात्कार 25 अंको का है। लिखित परीक्षा में अभ्यर्थियों को 75 अंक में से न्यूनतम 40 अंक लाना अनिवार्य है। लिखित एवं साक्षात्कार में अभ्यर्थियों को न्यूनतम प्राप्तांक 65 अंक लाना जरूरी होगा।

अब लगने वाली है लोकसभा चुनाव की आचार संहिता

विधानसभा चुनाव के समय देना चाहते थे महंगाई भत्ता, अब तक नहीं दिया !

कैबिनेट में महंगाई भत्ते से जुड़ा निर्णय नहीं लेने से कर्मचारी नाखुश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कैबिनेट में महंगाई भत्तों से जुड़ा निर्णय नहीं लिए जाने से कर्मचारी वर्ग नाखुश है। जिसकी वजह यह है कि सरकार विधानसभा चुनाव की आचार संहिता में ही यह लाभ देना चाहती थी, इसके लिए बकायदा चुनाव आयोग से अनुमति मांगी थी। जब चुनाव हो गए, आचार संहिता खत्म हो गई तब भी उक्त निर्णय नहीं लिया जा सका। अब लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने वाली है और अब तक महंगाई भत्तों पर निर्णय नहीं हो पाया है जबकि 8 फीसद महंगाई भत्ता मिलना है। असल में प्रदेश में शासकीय कर्मचारी और पेंशनर मिलाकर करीब 10 लाख से अधिक है। जब यह महंगाई भत्ता बढ़ता है तो इन सभी को लाभ होता है। इन कर्मचारी व पेंशनरों को गुरुवार हुई कैबिनेट से काफी उम्मीदें थी जो दोपहर बाद यह नाराजगी में बदल गई क्योंकि महंगाई भत्ते पर किसी तरह का कोई निर्णय ही नहीं हुआ।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में बढ़ोतरी, तब भी महंगाई भत्ता नहीं दे रहे

कर्मचारियों का आरोप है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में बढ़ोतरी हुई है। तब तो महंगाई भत्ता दिया जाना चाहिए, इसे रोकने का कोई मतलब ही नहीं बनता लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। मंत्रालय सेवा अधिकारी, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कहा कि 8 प्रतिशत मंहगाई भत्ता मिलना, क्योंकि दो बार से नहीं मिला है। इस संबंध में कोई निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में निराशा है। मंहगाई भत्ता की दो किश्तें लंबित होने से आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। उनका कहना है कि अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 14 अंकों की वृद्धि हुई है।

कर्मचारी प्रदेश भर में दे रहे ज्ञापन

नाराज कर्मचारी प्रदेश भर में शुक्रवार को कलेक्टरों के माध्यम से सरकार के नाम ज्ञापन दे रहे हैं। राजधानी में भी ज्ञापन देने के लिए शाम चार बजे का समय तय किया है। ये ज्ञापन अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के तहत दिए जा रहे हैं। मोर्चा के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह का कहना है कि 23 फरवरी को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर केंद्र के समान महंगाई भत्ता दिए जाने की मांग की थी तब भी लाभ नहीं दिया जा रहा है इसलिए विरोध दर्ज करवा रहे हैं।

सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया कल से शुरू होगी

प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 23 मार्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में 16 मार्च से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए है। मध्य प्रदेश के 275 सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि छठवीं एवं नौवीं में कैंपस विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रवेश पूर्ण होने के बाद ही रिक्त स्थानों का आकलन एवं अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में कार्यरत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ के बच्चों को उसी विद्यालय में सीधे प्रवेश(लाटरी सिस्टम से न दिए जाकर सीधे प्रवेश) दिए जाने का प्रविधान किया गया है।

28 मार्च को जारी होगी प्रवेश सूची

16 मार्च से विद्यालय की प्रारंभिक कक्षा केजी-1/ पहली में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। स्कूलों में आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया 16 से 23 मार्च के बीच होगी। 28 मार्च को प्रवेश सूची जारी की जाएगी। छह अप्रैल तक फार्म भरवाना, अभिलेख प्राप्त कराना एवं शुल्क लागू हो, तो उसे प्राप्त किया जाएगा।

मैनिट में होगी 89 पदों पर भर्ती, आवेदन 31 तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (मैनिट) ने फैकल्टी रिक्रूटमेंट के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फैकल्टी के 89 पद हैं। इसमें लेवल-10 व लेवल-12 के असिस्टेंट प्रोफेसर के ग्रेड-2, ग्रेड-1 के लिए वैकेंसी है। लेवल-1302 स्तर के एसोसिएट प्रोफेसर और लेवल-14ए लेवल के एसोसिएट प्रोफेसर की वैकेंसी निकाली है। इसके अलावा एसोसिएट प्रोफेसर के 9 और प्रोफेसर के लिए 15 पद हैं। इन सभी वैकेंसी में से 2 पद दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए रिजर्व हैं।

अधिकारियों ने बनाया भारी भरकम प्रस्ताव, 9 मार्च को सुबह लगी थी भयानक आग

फाइलें जलने के बाद करोड़ों से मंत्रालय भवन का रिनोवेशन करने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हजारों फाइलें जलने के बाद अब मंत्रालय के पुराने भवन पर करोड़ों रुपये खर्च करने की तैयारी है। अधिकारियों ने रुपये खर्च करने के लिए अलग-अलग फाइलें तैयार कर ली है। इन फाइलों को सरकार के पास अनुमति के लिए भेज दिया है लेकिन अभी तक अनुमति नहीं मिली है। माना जा रहा है कि अब लोकसभा चुनाव के बाद ही इस पर कोई निर्णय हो सकेगा। असल में मंत्रालय परिसर में स्थित पुराने भवन में 9 मार्च को आग लगी थी। सूत्रों के मुताबिक भवन को रिनोवेट किया जा सकता है, क्योंकि निर्माण की दृष्टि से यह काफी मजबूत है और संभवतः 70 से 80 वर्ष तक इस तोड़ने की जरुरत नही होगी। यदि रिनोवेट किया जाता है तो 105 करोड़ से अधिक की राशि खर्च करनी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में मंत्रालय परिसर के दो नवीन भवनों की तर्ज पर फायर अलार्म सिस्टम लगाने होंगे। सूत्रों के मुताबिक पुराने भवन की जगह नवीन भवन का निर्माण का भी सुझाव दिया है लेकिन पुराने भवन को तोड़ना चुनौतीपूर्ण होगा, यह भी बताया है। मलबा बाहर निकालना जोखिमों भरा बताया है। नए भवन के निर्माण पर 175 करोड़ से अधिक का खर्च बताया है।

आरजीपीवी में पीएचडी प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 20 एवं 21 मार्च को आयोजित की जाएगी। प्रवेश के लिए आवेदन की शनिवार को आखिरी तारीख थी। आरजीपीवी को एडमिट कार्ड जारी करेगा। परीक्षा में क्वालिफाई अभ्यर्थियों का प्रवेश इंटरव्यू के आधार पर होगा। अभ्यर्थियों के इंटरव्यू 24 अप्रैल से शुरू होंगे। आरजीपीवी ने इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी, फार्मेसी, एप्लाइड साइंसेज, आर्किटेक्चर में पीएचडी की रिक्तियां निकाली हैं। चयनित उम्मीदवारों की अंतिम सूची 7 मई को आरजीपीवी के पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी।

सहकारिता विभाग की गतिविधियों और कार्य-प्रणाली की समीक्षा

सहकारिता क्षेत्र को मजबूती देने सहकारी बैंकों को एक प्लेटफार्म पर लाने पर विचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारिता को मजबूत करने के लिये सहकारिता क्षेत्र के बैंकों को एक ही प्लेटफार्म पर लाने की जरूरत है। इसके लिये नियमों और अधिनियमों में आवश्यक संशोधनों पर विचार करने की जरूरत है। मंत्री सारंग मंत्रालय में सहकारिता विभाग की गतिविधियों और कार्य-प्रणाली की समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी भी उपस्थित थीं। मंत्री सारंग ने कहा कि सहकारिता से जुड़े बैंक अपेक्स बैंक में अपना डिपॉजिट रखें। इससे सहकारिता की साख मजबूत होगी। पैक्स पर रजिस्ट्रार ऑफिस का कंट्रोल हो। विभिन्न संघ सहकारिता से जुड़ें, जिससे इसका स्ट्रक्चर मजबूत हो। उन्होंने कहा कि सहकारिता को मजबूत करने के लिये कर्मचारियों के प्रशिक्षण और स्किल डेव्हलपमेंट पर भी ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। इसकी व्यवस्थित कार्य-योजना तैयार की जाये। साथ ही सेवाओं और अनुशासन पर भी ध्यान दिया जाना होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता की साख के लिये पीआर और कम्युनिकेशन की आवश्यकता है। मंत्री सारंग ने सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों को नवाचार के जरिये आगे बढ़ाने की बात भी कही।

मेट्रो एंकर | 30 जिलों के 33 लाख छात्रों को गणवेश की राशि वितरित

'नई शिक्षा नीति की मंशा अनुरूप प्रत्येक बच्चे को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि मप्र में नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। नवीन शिक्षा नीति में प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाई जायेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री ने मंत्रालय में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत प्रायवेट स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी का शुभारंभ करने के बाद जिला मुख्यालयों पर उपस्थित पालकों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण राज्य शिक्षा केन्द्र के यू-ट्यूब चैलन पर भी किया गया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से 30 जिलों के 33 लाख छात्रों को गणवेश की राशि करीब 137 करोड़ रुपये बैंक खातों में अंतरित की। इस मौके पर स्कूल शिक्षा विभाग के उल्लास कार्यक्रम के लिये तैयार किये गये मोबाइल एप की शुरूआत भी की गई। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में नई टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इस कार्यक्रम में भी उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए करीब एक लाख 25 हजार बच्चों को प्रायवेट स्कूल में प्रवेश-पत्र उपलब्ध कराये गये हैं। संचालक एस धनराजू ने बताया कि प्रदेश में ऑनलाइन प्रक्रिया वर्ष 2016-17 से प्रारंभ कि गयी है। इस प्रक्रिया में पालकों को अपने पड़ोस में ही अच्छे प्रायवेट स्कूल में बच्चों के प्रवेश की सुविधा दी जा रही है।

प्रायवेट स्कूलों में मिला प्रवेश

इस वर्ष एक लाख 48 हजार बच्चों द्वारा आधार सत्यापन कर ऑनलाइन आवेदन जमा किये गये। इनमें 77 हजार 473 बालक तथा 71 हजार 22 बालिकाओं के आवेदन प्राप्त हुए। नर्सरी की कक्षाओं के लिये 92 हजार 398, के.जी.-1 के लिये 42 हजार 509, के.जी.-2 के लिये 1712 तथा कक्षा-1 के लिये 11 हजार 876 आवेदन मिले हैं। इन बच्चों से फार्म भरने के लिये कोई शुल्क नहीं लिया गया। दस्तावेज सत्यापन के बाद एक लाख 24 हजार 386 बच्चे पात्र पाये गये। इन बच्चों को इस वर्ष 23 मार्च तक अनिर्वाय रूप से प्रवेश दे दिया जायेगा। कार्यक्रम में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नवभारत साक्षरता में उल्लास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विशेष कक्षा लगाकर चयनित व्यक्तियों को साक्षर किया जा रहा है। इसके लिये प्रदेश में 2 बार मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जा रही है। आज तैयार एप कार्यक्रम को और गति देगा। प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी गयी है।

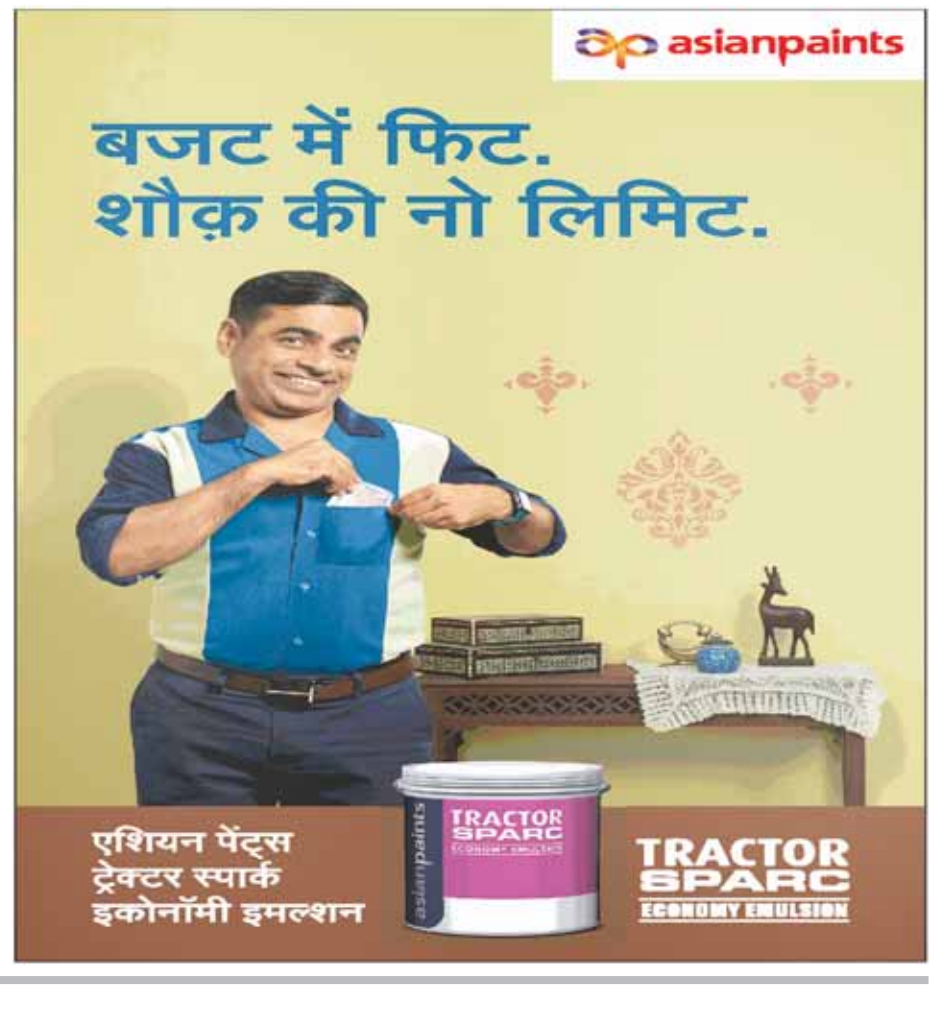

सुविचार

नफरत को हजार मौके दो कि वो प्रेम में परिवर्तित हो जाए,
लेकिन प्रेम को एक भी मौका मत दो, कि वो नफरत में बदल जाए।
– अज्ञात

l iknd h;

नया कानून और संयम का तकाजा

देश में नागरिकता संशोधन कानून लाए जाने के करीब चार साल बाद जब सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसे लागू करने की घोषणा तो सियासी हलचल होना ही थी। आज चार दिन बाद भी यह थमी नहीं है। जब यह कानून लाया गया था, तब इसके खिलाफ काफी लंबा शांतिपूर्ण विरोध हुआ था। इसे नोटिफाई करने में इतनी देर के पीछे एक तर्क यह भी दिये जा रहे हैं कि सरकार चाहती थी दोबारा इस मुद्दे पर देश में उस तरह के हालात न बनें। हालांकि कई वजहों से शुरुआती प्रतिक्रियाएं बता रही है कि इस बार भी इसने बड़े पैमाने पर लोगों का ध्यान खींचा है। विपक्षी दल इसकी टाइमिंग पर सवाल खड़े कर रहे हैं, तो पहली वजह तो यही है कि सरकार ने इसके नोटिफिकेशन का जो वक्त चुना, वह लोकसभा चुनावों से ठीक पहले का है। यानि अगले दो चार दिन में ही चुनाव की तारीखों का ऐलान होने वाला है। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाया है कि सरकार की यह घोषणा सत्तारूढ़ पार्टी को इसका चुनावी लाभ दिलाने के मकसद से प्रेरित है। दूसरी बात यह भी है कि यह मामला उस वक्त सामने आया है,जब सुप्रीम अदालत स्टेट बैंक को चुनावी चंदे का हिसाब सामने लाने के लिये निर्देशित कर रही थी और बैंक के समय बढाने के तर्क को अस्वीकार कर चुकी थी। हालांकि बैंक ने ब्योरा चुनाव आयोग को सौंप दिया है लेकिन इसके साथ ही सीएए भी ज्यादा चर्चा शुरू हो गई है। वैसे, सरकार और सत्तारूढ़ दल की तरफ से यह बात कही जा सकती है कि पिछली बार भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कहा था, सीएए को लागू किया जाएगा। ऐसे में चुनाव से पहले इसे लागू करना उसका दायित्व था। पिछली बार अगर सीएए के खिलाफ तीव्र भावनाएं फैलीं तो उसकी एक बड़ी वजह यह भी थी कि सीएए के साथ एनआरसी यानि नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस को जोड़ कर देखा जा रहा था। इस बार एनआरसी की कोई बात नहीं की गई है। हालांकि विपक्ष के कुछ नेता आशंका जता रहे हैं कि सीएए के बाद एनआरसी भी लागू किया जाएगा, लेकिन सरकार ने अभी ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है। इसके बावजूद असम और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में इसका शुरुआती विरोध देखा गया है। पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री यह भी कह चुके हैं कि वे अपने राज्य में इसे लागू नहीं करेंगे। लेकिन फिलहाल इसे अपने-अपने समर्थक वोटर समूहों को संबोधित करने, उन्हें आश्वस्त करने की ही कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। जहां तक इस कानून के प्रावधानों की बात है तो उसके पक्ष-विपक्ष में पहले ही काफी बातें हो चुकी हैं। यह धर्मनिरपेक्षता की संवैधानिक शर्त पर खरा उतरता है या नहीं, इससे जुड़ा एक मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। लिहाजा नोटिफिकेशन के बाद एक बार फिर नजरें कोर्ट की ओर घूमी हैं। उधर राज्यों की विपक्षी दलों की सरकारों के रूख बता रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में वे इसे भी मुद्दे के रूप में ले सकते हैं, वहीं भाजपा इसे अपना वादा पूरा करने की कोशिश के रूप में लेगी। अभी इस कानून के लागू होने के बाद इसका सही स्वरूप सामने आ सकेगा। तब तक उम्मीद की जानी चाहिए कि इस पर सुनवाई की प्रक्रिया तेज होगी और शीर्ष अदालत इस धुंध को समय रहते साफ करेगी। जहां तक चुनावी लाभ-हानि की बातें हैं तो जो भी गणित रहे हो, यह उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी पक्ष इस मसले पर संवेदनशीलता और संयम बनाए रखेंगे।

बेरोजगारी अब चुनावी मुद्दा है, क्या 'पहली नौकरी पक्की' के सहारे कांग्रेस इसे भुना सकती है

■ योगेंद्र यादव

आखिरकार बेरोजगारी राजनीति का मुद्दा बन ही गई। इसका स्वागत होना चाहिए। कुछ तो बदला है। अब बेरोजगारी सिर्फ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन का मुद्दा नहीं रही बल्कि सरकार की नीतिगत चिन्ता के दायरे में दाखिल हो गई है, बेरोजगारी के मुद्दे पर उफनने वाले आक्रोश की जगह अब रोजगार देने की योजना और रूपरेखा ने ले ली है और निराशा का घटाटोप छंटकर अब आशा की एक बारीक सी किरण में बदल रहा है। यह हुआ कांग्रेस की 'युवा न्याय गारंटी' की घोषणा के साथ। 'युवा न्याय गारंटी' पांच नीतिगत प्रस्तावों का एक गुलदस्ता है और कांग्रेस ने वादा किया है कि सत्ता में आये तो इन्हें लागू करेंगे।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के रास्ते में बांसवाड़ा (राजस्थान) की रैली में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने युवाओं के लिए नौकरी की गारंटी की घोषणा करके सत्ताधारी बीजेपी की राह मुश्किल कर दी है। बीजेपी को अब इससे बेहतर पेशकश करनी होगी। कोई नयी योजना या गारंटी की घोषणा करनी होगी। इस कश्मकश में चाहे जो भी जीते, लेकिन रोजगार के सवाल पर राजनीति हो ये अच्छा है। किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी के बाद कांग्रेस की यह दूसरी गारंटी है जिसमें राजनीतिक सूझ-बूझ और नीतिगत बुद्धिमत्ता का अनोखा मेल दिखायी देता है। किसी भी समाधान की शुरूआत समस्या के पहचान से होती है। राहुल गांधी के नेतृत्व में चले भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे चरण में हर जगह एक ही मुद्दा उभरकर सामने आया और यह मुद्दा बेरोजगारी का था। जनमत-सर्वेक्षणों में देश के सामने मौजूद सबसे बड़ी समस्याओं की फेहरिश्त में जो समस्या शीर्ष पर रहती आयी है उसकी सच्चाई को कांग्रेस की इस घोषणा से औपचारिक तौर पर राजनीतिक स्वीकृति मिल गई है। किसी समस्या को स्वीकार कर लेने के तुरंत बाद काम होता है उसे ध्यान से सुनने का।

यह बात स्वयं घोषणा से जाहिर हो जाती है जिसमें प्रतिरोध-प्रदर्शन कर रहे युवाओं के मुद्दे पर खूब सोच-विचार किया गया है। युवाओं के कई अहम सरोकार और मांग को कांग्रेस ने अपने इस पैकेज में जगह दी है। लेकिन युवा न्याय गारंटी किसी आंदोलन के मांगों का दोहराव मात्र नहीं है। कांग्रेस पार्टी का थिंक-टैंक घिसे-पिटे विचारों या जादुई उपाय पेश करने की अपनी लीक से हटकर ऐसे समाधान पेश करने लगा है जिसमें जिम्मेदारी और रचनात्मकता दोनों ही का मेल है। बेशक, पांच नीतिगत प्रस्तावों के गुलदस्ते में जो चीज सबसे ज्यादा ध्यान खिंचेगी उसका नाम है 'भर्ती भरोसा।' यह 30 लाख सरकारी नौकरियों को देने के वायदे का नाम है। जाहिर है, यह एक बड़ा वादा है। ज़ाहिर है सवाल पूछा जायेगा कि नौकरी किस क्षेत्र में दी जानी हैं और उसके लिए संसाधन कहां से आने वाले हैं। भारत की समस्या ये नहीं कि यहां नौकरशाही अपने आकार-प्रकार में बहुत बढ़ी-चढ़ी है या यहां कोई वैकेंसी (खाली पद) ही नहीं हैं। भारत जितनी बड़ी अर्थव्यवस्था है उसी आकार की अर्थव्यवस्था से तुलना करें तो पता चलेगा कि हमारे देश में प्रति व्यक्ति सरकारी सेवकों की संख्या तुलनात्मक रूप से कम है। इस तथ्य पर भी गौर करें कि 10 लाख की तादाद में वैकेंसी तो अकेले केंद्र सरकार ही के विभागों में है। इसके अतिरिक्त तीन लाख की तादाद में रोजगार का सृजन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया जा सकता है जिसमें आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका और आशा-कर्मी के पद वाली केंद्र सरकार की योजनाएं तथा केंद्र सरकार के शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं। हाल के सालों में सरकारी क्षेत्र का दायरा सिकुड़ा है सो इस क्षेत्र में कामगारों की तादाद कम हुई है। इस रीत को उलट दिया जाये तो 2 लाख की तादाद में नौकरियां और जुड़ जायेंगी। इसका मतलब हुआ कि 15 लाख की संख्या में नौकरियां तो हम मौजूदा ढांचे के भीतर ही दे सकते हैं। यह एक अच्छी शुरूआत कहलायेगी, शिक्षित बेरोजगारी लंबे समय से इसकी मांग करते आ रहे हैं।

शिक्षित बेरोजगारों के लिए नौकरी : इस कड़ी में शेष 15 लाख नौकरियों की गिनती के लिए जरूरी होगा कि बड़ी सावधानी से ऐसी नौकरियों की योजना बनायी जाये। नौकरी देने भर के मकसद से सरकारी नौकरी के पद गढ़ना न तो युक्तिसंगत है और न ही ऐसी नीति को टिकाऊ कहा जा सकता है। अगर नई नौकरियां निकलकर आती हैं तो उन्हें नई जरूरतों को या फिर जो जरूरतें टलती आ रही हैं उन्हें पूरा करने वाला होना चाहिए। इसका रास्ता है कि जीवन की गुणवत्ता और क्षमता में बढ़वार के लिए चलायी जा रही योजनाओं के लिए मानव-संसाधन में सरकारी निवेश का विस्तार करना। इससे राज्यों अथवा शासन के स्थानीय निकायों में बच्चों की शुरूआती देखभाल और शिक्षा के काम में लगे कर्मचारियों की संख्या बढ़ेगी। प्राथमिक और द्वितीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवा का विस्तार तथा समेकन करना भी जरूरी होगा। इसी तरह प्रकृति परिवेश को हरा-भरा और जीवंत बनाये रखने के लिए कुछ 'ग्रीन जॉब्स' जरूरी होंगे।

उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में इस प्रस्ताव की तफ़सील आ जायेंगी। इसके अतिरिक्त, नई नौकरियों के लिए कितना धन जुटाना होगा, ये भी जानने और उस पर बहस करने की जरूरत है। अगर नई नौकरियों पर बहाल किये जाने वाले लोगों को सातवें वेतन आयोग की अनुशंसा के हिसाब से वेतन दिया जाता है तो केंद्रीय बजट के वेतन मद में कितनी और राशि देनी होगी–ये बताना जरूरी है। नौकरी की गारंटी वाले नीतिगत प्रस्ताव के गुलदस्ते का एक हिस्सा और भी ज्यादा आकर्षक है। इसका नाम है- 'पहली नौकरी पक्की।' दरअसल यह अप्रैन्टिसशिप का अधिकार दिलाने की योजना है। इसके तहत 25 साल से कम उम्र के कॉलेज के हर ग्रैजुएट तथा डिप्लोमाधारक को संवैधानिक गारंटी के तहत एक वर्ष के लिए 1 लाख रूपये सालाना तक की अप्रैन्टिसशिप हासिल करने का हक होगा। यह कोई पक्की यानि नियमित और स्थायी नौकरी नहीं है और ना ही इस वैधानिक गारंटी का मतलब 'काम के अधिकार' से लगाया जाना चाहिए जिसका स्वप्न सोशल डेमोक्रेटस् देखा करते हैं। हां, 'हर हाथ को काम दो' सरीखे लोकप्रिय मांग को पूरा करने का यह आर्थिक रूप से समझदारी भरा और वित्तीय रूप से व्यावहारिक तरीका जरूर है। इसलिए, 'पहली नौकरी पक्की' नाम की गारंटी से जुड़ी तफ्सील का बड़ी बेसब्री से इंतजार लगा है। बहरहाल, इसमें कोई शक नहीं कि बेरोजगार नौजवानों को सरकारी अथवा निजी क्षेत्र की कंपनी में जगह देना उन्हें बेरोजगारी-भत्ता देने से कहीं ज्यादा बेहतर है। कम अवधि की इस अप्रैन्टिसशिप के सहारे युवाओं को कौशल सीखने में मदद मिलेगी, काम करते हुए वे हुनर सीखेंगे और ऐसा करने से नौकरी पाने की उनकी संभावनाओं में इजाफा होगा। निजी क्षेत्र के व्यवसाय भी इस ओर आकर्षित होंगे क्योंकि उन्हें दिख रहा होगा कि बड़े कम खर्चे पर बहुत से कुशल प्रशिक्षु (ट्रेनी) जुटाये जा सकते हैं। निजी व्यवसाय के पास अवसर होगा कि वे प्रशिक्षुओं के हुनर को परख सकें सो ये उम्मीद करना बेमानी नहीं कि जो प्रशिक्षु अपने काम में बेहतर होंगे उन्हें कंपनी में स्थायी नौकरी पर रख लिया जायेगा।

इस मामले में आँकड़े महत्वपूर्ण हैं और उनपर बारीक चर्चा करनी होगी। लगभग 95 लाख छात्र हर साल डिप्लोमा, ग्रैजुएशन या डिग्रीधारी बनकर निकलते हैं। इनमें से लगभग 75 लाख नौकरी की तलाश करते हैं। अगर ये मानकर चलें कि नौकरी की तलाश में जुटे इन 75 लाख नौजवानों में लगभग आधे को अपनी पसंद की नौकरी नहीं मिलती तो स्वीकार करना होगा कि हर साल कम से कम 40 लाख नौजवानों की तरफ से अप्रैन्टिसशिप की मांग आयेगी। इस मांग को पूरा करना कठिन तो है लेकिन असंभव नहीं। अर्थव्यवस्था के औपचारिक क्षेत्र में 5 करोड़ या इससे ज्यादा के कारोबार वाले उद्यमों की तादाद लगभग 10 लाख है। ये उद्यम औसतन चार इंटर्न रख सकते हैं। देश में अप्रैन्टिसशिप एक्ट 1961 पहले से ही लागू है। इस अधिनियम के तहत कंपनियों के लिए अपने कार्यबल का 2.5 से 15 प्रतिशत तक अप्रैन्टिस के रूप में रखना अनिवार्य है। फिलहाल लगभग 45,000 कंपनियां इस काम में भागीदारी कर रही हैं। लेकिन कानून की नोंक-पलक सुधार दी जाये और कुछ सरकारी धन खर्च किया जाये तो अर्थव्यवस्था के समूचे औपचारिक क्षेत्र को इस काम में जोड़ा जा सकता है और साथ ही, धीरे-धीरे अनौपचारिक क्षेत्र को भी इस काम में भागीदारी के लिए तैयार किया जा सकता है। अगर सरकार ही पूरा मानदेय देने का जिम्मा उठाती है तो इस काम का कुल बजट 40,000 करोड़ रूपये ठहरता है और अगर कंपनियों से लागत का आधा हिस्सा उठाने को कहा जाता है तो कुल बजट घटकर 20,000 करोड़ रूपये हो जायेगा। इसमें ढेर सारी तफ्सीलों को तैयार करना अभी शेष है लेकिन एक बात अभी से जाहिर है किः यह सही दिशा में उठाया गया एक बड़ा राजनीतिक कदम है।

प्रस्तावित पांच नीतियों के गुलदस्ते के अन्य तीन घटक ऊपर दर्ज दो बड़े विचारों को साकर करने के लिहाज से उपयोगी और पूरक हैं। 'पेपर लीक से मुक्ति' की योजना आये दिन सुनायी देने वाले ऐसे वादे तक सीमित नहीं कि 'जो लोग भी पेपर लीक करते पाये जायेंगे उन्हें कठोर सजा दी जायेगी।' यह वादा तो एक भ्रामक मान्यता पर आधारित है कि सजा बढ़ा देना किसी भी अपराध का सबसे अच्छा निदान है। युवा न्याय गारंटी में सरकारी क्षेत्र में होने वाली भर्ती के बाबत एक पूरी आचार-संहिता लागू करने की बात कही गई है। सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे दो करोड़ नौजवानों को आये दिन जिन गड़बड़ियों का सामना करना पड़ता है उन्हें दूर करने के लिए पारदर्शिता के मानक, कैलेंडर तथा तरीके इस आचार-संहिता के दायरे में तय किये जायेंगे। लगभग 1 करोड़ की तादाद में मौजूद ÷गिग वर्कर÷ के लिए तैयार प्रस्ताव में राजस्थान की निवर्तमान कांग्रेस सरकार या फिर तेलंगाना में प्रस्तावित इसके संशोधित संस्करण के तर्ज पर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने की बात कही गई है। यह एक प्रगतिशील कदम है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की जरूरत है। युवा न्याय गारंटी से संबंधित पांच नीतियों के गुलदस्ते की अंतिम बची चीज है 'युवा रोशनी योजना'। इसके अंतर्गत 5000 करोड़ रूपये का फंड तैयार करने की बात कही गई है जिससे नौजवानों के शुरू किये व्यवसाय को कर्ज मुहैया कराया जा सके। इसे नौजवानों को लक्ष्य करती ÷मुद्रा योजना÷ का संशोधित रूप भी कहा जा सकता है। इसलिए, इस प्रस्ताव को असरदार बनाने के लिए मुद्रा योजना पर बारीकी से पुनर्विचार करना होगा अन्यथा इसका भी हश्र वही हो सकता है जो उस योजना का हुआ है।

राजनीति से पहले प्रचार की नीति : चुनावी वादा चाहे वह कितना भी अच्छा हो, बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं होता। बेरोजगारी के विशाल संकट को देखते हुए ऐसे किसी भी नीतिगत प्रस्ताव को अंतिम नहीं बल्कि अंतरिम ही कहा जा सकता है। ऐसी किसी भी योजना में बहुत से ढीले-सीले ओर-छोर होते हैं जिनमें गिरह लगानी होती है, आंकड़ों से जुड़े मसले होते हैं जिन्हें सुलझाना होता है। इसके साथ ही साथ नीति पर अमल करने के लिए धन जुटाने की बात तो सोचनी ही होती है। आगामी चुनावों के संदर्भ को देखते हुए कांग्रेस को ये दोष नहीं दिया जा सकता कि वह अपनी इन प्रस्तावित नीतियों के मामले में भरे-पूरे आशावाद से काम ले रही है। एक बात ये भी गौर करने की है कि प्रस्तावित योजनाओं में सिर्फ शिक्षित बेरोजगारों को ध्यान में रखा गया है और 50 प्रतिशत ऐसे बेरोजगारों फिलहाल इसमें शामिल नहीं हैं जो अपनी स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर पाते। चाहे जिस भी तरीके से देखें, ऐसी कोई भी योजना अपने स्वभाव में दरअसल तो राहत योजना की ही तरह होती है। बेरोजगारी की समस्या का असल समाधान खोजने के लिए हमें उस मॉडल में बुनियादी बदलाव करने होंगे जो रोजगारविहीन विकास को बढ़ावा देती है और उस शिक्षा-व्यवस्था को भी बदलना होगा जो विद्यार्थी को अज्ञानी, उद्यम-विहीन या बेहुनर बनाती है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

खूब हो रही बैठक !

– कृष्णेन्द्र राय

चिंतन मंथन चल रहा।
हो कैसे सुधार ?
रूठ गई है जनता।
ना करती उपकार ।।
कायाकल्प हो पुनः।
है ऐसा प्रयास ।।
जनता को नहीं आया पर।
कार्यशैली रास ।।
खूब हो रही बैठक।
नहीं निकलता हल ।।
ले रहे संकल्प।
उत्तम करना कल ।।
कहां हो रही ग़लती।
नहीं समझ ये आया ।।
है लेकिन ये सत्य।
हो रहा सफाया ।।

भाजपा की एक और तुरुप है सीएए?

■ राकेश अचल

भाजपा का सब्र लाजबाब है। इतना सब्र भाजपा कहाँ से लाती है आखिर? भाजपा ने आम चुनाव में उतरने से पहले कालेधन की कालिख से अपने आपको बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट का इलेक्टोरल बांड का फैसला धूमिल करने के लिए आखिर सीएए को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। भाजपा का ये फैसला है तो विवादास्पद लेकिन है आत्मघाती फैसल। ये फैसला भाजपा की नाव पार भी लगा सकता है और नाव डूबा भी सकता है।

भाजपा ने नागरिकता संशोधन का बीज चार साल पहले 9 दिसंबर 2019 को बोया था। इस बीज को अंकुरित करने के लिए भाजपा ने चार साल तीन महीने तक चुपचाप खाद-पानी दिया और जैसे ही इलेक्टोरल बांड की आंधी ने भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी करने की स्थितियां बनाई वैसे ही भाजपा ने नागरिकता संशोधन विधेयक को लागू करने का ऐलान कर दिया। इस क़ानून के खिलाफ देश में शुरू में जो गुबार उठा था उसे भाजपा ने लंबा खींचकर पहले ही ठंडा कर दिया था, लेकिन अब हालात बदल गए है। देश का विपक्ष भाजपा के इस दांव के सामने अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

नागरिकता क़ानून में संशोधन बोतल में बंद जिन्न की तरह है। भाजपा इस जिन्न के जरिये एक नहीं अनेक अल्पसंख्यक समुदायों को खुश करने का इंतजाम करना चाहती है। भाजपा को पता है की पिछले एक दशक में अल्पसंख्यक समुदाय के अनेक तबके भाजपा से नाराज है। निमने मुसलमान,ईसाई और सिख सभी शामिल है। अब इन समुदाय के विदेशियों के लिए नागरिकता का रास्ता आसान कर भाजपा चुनाव में इन सभी अल्पसंख्यक समूहों की सहानुभूति बटोरना चाहती है। ये दूर की कौड़ी नहीं बल्कि एक सोचा-समझा हुआ गणित है। नागरिकता संशोधन विधेयक से अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अवैध प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाने के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया गया है। आपको याद होगा की नागरिकता संशोधन विधेयक 9 दिसंबर 2019 को लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। 9 दिसंबर 2019 को ही विधेयक सदन से पारित हो गया। 11 दिसंबर 2019 को यह विधेयक राज्यसभा से पारित हुआ था।

भारत का नागरिकता अधिनयम 69 साल पुराना है। इसकी आधारशिला अंग्रेजों के जमाने की है। भाजपा इस क़ानून के जरिये जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की तरह नागरिकता अधिनियम में तब्दीली करने के लिए कमर कसकर बैठी हुई थी। नागरिकता अधिनियम में देशीयकरण द्वारा नागरिकता का प्रावधान किया गया है। आवेदक को पिछले 12 महीनों के दौरान और पिछले 14 वर्षों में से आखिरी साल 11 महीने भारत में रहना चाहिए। कानून में छह धर्मों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) और तीन देशों (अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान) से संबंधित व्यक्तियों के लिए 11 वर्ष की जगह छह वर्ष तक का समय है। कानून में यह भी प्रावधान है कि यदि किसी नियम का उल्लंघन किया जाता है तो ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों का पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

मुमकिन है कि भाजपा इस काम को पहले अंजाम देती लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। कोरोना के कारण नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने में देरी हुई। लेकिन अब इसे हम लागू कर दिया गया है। भाजपा ने 2019 लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में कहा था कि वह पड़ोसी देशों के प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए सिटीजनशिप अमेंडमेंट बिल को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।भाजपा ने एक पंथ दो काज कर लिए है। एक तो इस क़ानून के जरिये भाजपा अपने अल्पसंख्यक प्रेम को स्थापित करने के साथ होई इलेक्टोरल बांड की पोल खुलने से होने वाली फजीहत से भी बचना चाहती है। विपक्ष अब इलेक्टोरल बांड के मुद्दे को उछाले या नागरिकता संशोधन विधेयक के इस नए मुद्दे को उछाले।

इस नए तूफ़ान के बाद अब देश की राजनीति में नया रंग आने वाला है। विपक्ष पहले से ही सत्तारूढ़ दल की चालबाजियों का मुकाबला नहीं कर पा रहा है ,और अब ये नागरिकता संशोधन क़ानून लागू कर भाजपा ने समूचे विपक्ष को निहत्था कर दिया है। इस क़ानून के लागू करने में भाजपा को फिलहाल कोई दिक्कत होने वाली नहीं है क्योंकि अभी सब चुनावी जंग में कूद रहे हैं। इस क़ानून पर अमल तो चुनावों के बाद से होगा,हाँ चुनावों में भाजपा इस क़ानून के जरिये रूठे हुए अल्पसंख्यकों के बीच अपनी खोई हुई साख बचने का प्रयास जरूर करेगी। इस संशोधन कानून का फ़ायद भाजपा को सीमावर्ती क्षेत्रों में मिल सकता है।

भाजपा को इस बात के लिए बधाई या शाबासी दी जा सकती है की वो अपने खिलाफ उठने वाली हर आंधी के मुकाबले एक नया इंतजाम करके रखती है। आज देश की जनता महंगाई ,बेरोजगारी और दुसरे तमाम मुद्दों को भूलने की बीमारी का शिकार बन चुकी है। अब देखना है की इस क़ानून को लागू कर सत्तारूढ़ दल देश के अम्नो-अमान को महफूज रख पाती है। आगे-आगे देखिये होता है क्या ?आपको याद होगा की देश के अनेक राज्यों ने इस क़ानून का विरोध किया है और किसी भी सूरत में इस क़ानून को लागू न किये जाने की बात कही है। असम, केरल और बंगाल इस मुद्दे पर पहले से खिलाफ हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

कैंपस एंबेसेडर मतदाता जागरूकता का करेंगे प्रचार-प्रसार

चुनाव के दौरान हर सप्ताह जागरूकता के दो बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में अधिक से अधिक मतदाता मतदान कर सके एवं जिन मतदान केन्दो में मतदान का प्रतिशत कम रहा है, वहां लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए कैंपस एंबेसडर बनाए गए हैं। यह केंपस एम्बेसडर घर-घर जाकर व कम मतदान वाले मतदान केन्दो के आसपास के क्षेत्र में लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे साथ ही व्यापक जागरूकता के कार्यक्रम चलाएंगे। चुनाव के दौरान प्रति सप्ताह दो बड़े कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा । वहीं मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता तथा विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उक्त जानकारी जिला स्वीप के नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने दी। जिला पंचायत मेंश्र स्वीप की बैठक आयोजित की गई थी।

श्री रावत ने बताया कि स्वीप का कैलेंडर तैयार कर लिया गया है। कैलेंडर के अनुसार प्रतिदिन मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिन मतदान केन्द्रो में गत वर्ष 40 से 50 प्रतिशत मतदान हुआ था वहां पर विशेष रूप से योजना बनाकर मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा और मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जाएगा।

श्री रावत ने बताया कि इस बार जिले में 85 प्रतिशत से ज्यादा मतदान का लक्ष्य रखा गया है.मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए उन क्षेत्रों में विशेष फोकस किया जाएगा जहां पर श्रमिक पलायन कर जाते हैं या छात्र पढ़ाई एवं रोजगार के लिए बाहर चले गए हैं। वहां पर ऐसे लोगों से संपर्क करके उन्हें मतदान के दिन आकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन का क्षेत्र बड़ा होने के कारण लोगों में मतदान के प्रति रुझान कम रहता है। इसके लिए आवश्यकता है कि हम मेहनत करके मतदान का प्रतिशत बढ़ाए। गत वर्ष नर्मदापुरम जिला टॉप 10 में था। यहां लगभग 84 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में महाविद्यालय के छात्र, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सामाजिक न्याय विभाग दिव्यांग वोटरों को चिन्हित करेगा और दिव्यांगों को विशेष रूप से सुविधा मुहैया कराई जाएगी कि वह मतदान कर सकें। दिव्यांगों लिए प्रचार सामग्री ब्रेल लिपि में एवं साइन लैंग्वेज में भी बनाई जाएगी। जिन मतदान केन्द्रो में कम मतदान हुआ था, वहां पर फ्लेक्स एवं बैनर लगाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। शिक्षक सचिव से लेकर सभी प्रबुद्ध नागरिक गणों को अभियान से जोड़ा जाएगा। स्कूलों और कॉलेज में आंगनबाड़ी केन्द्रों में मेहंदी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। रैली आयोजित करके भी मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में निर्माण श्रमिकों की ज्यादा संख्या है वहां पर श्रम विभाग श्रमिकों को मतदान करने के लिए प्रेरित करेगा साथ ही इस दिन श्रमिकों को विशेष अवकाश भी दिया जाएगा। श्री रावत ने बताया कि स्पोर्ट्स क्लब के माध्यम से भी स्कूलों में मतदाता जागरूकता का प्रचार प्रसार किया जाएगा। कैंपस एम्बेसडरों ने गत विधानसभा चुनाव में बेहतर कार्य करके दिखाया था। इस वर्ष भी उनसे अपेक्षा है कि वह बेहतर कार्य करके दिखाएंगे।

बैठक में स्वीप के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी, महाविद्यालय के छात्रगण, शासकीय और अशासकीय सदस्य गण, विभिन्न क्लब के पदाधिकारी मौजूद थे।

पूर्व सीएमओ को धमकी भरा पत्र, किसी की साजिश या हकीकत..?

कहीं ऐसा तो नहीं सीएमओ को धमकाने वाले खुद धंस जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका के पूर्व सीएमओ नवनीत पांडे को किसी व्यक्ति द्वारा पत्र भेज कर धमकाने की चेष्टा की गई है. इस पत्र को लेकर श्री पांडे ने पुलिस अधिकारियों को अवगत करा दिया है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल किसी बाथरे नामक व्यक्ति के द्वारा डाक से एक पत्र सीएमओ के पास भेजा गया. जिसमें लिखा गया है कि पूर्व पार्षद एवं वर्तमान पार्षद के पति जय चौकसे वाले प्रकरण में सीएमओ अपनी शिकायत वापस कर लें अन्यथा नुकसान पहुंचाया जाएगा। इस पत्र को लेकर जन चर्चा है कि क्या वाकई चौकसे वाले प्रकरण को जोड़कर इस पत्र को लिखा गया है या फिर किसी ने चौकसे के विरोध में माहौल गर्म करने के लिए यह पत्र भेजा गया है. हो सकता है चौकसे के किसी विरोधी ने चौकसे को बदनाम करने के लिए यह धमकी वाला पत्र भेजा हो या यह भी हो सकता है कि चौकसे के समर्थक ने ही इस तरह का पत्र भेजा हो। मामला जो भी हो पुलिस द्वारा इंक्वायरी करने के उपरांत ही इस बारे में कोई कार्रवाई हो सकती है. क्योंकि देखा सुनने में जा रहा है कि एक दूसरे को बदनाम करने के लिए इस तरह की हथकंडे अपनाए जाते हैं।

नर्मदा भक्त सीएमओ का अभद्र जन कुछ नहीं कर पाएंगे

मां नर्मदा के प्रति असीम आस्था रखने वाले और नर्मदा तट पर रात-रात भर जाग कर साधना करने वाले युवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे के खिलाफ साजिश रचने वाले एवं उनका अपमान करने वाले भले ही कितनी कोशिश कर ले उनका बाल बांका नहीं कर पाएंगे. जिस पर मां नर्मदा की कृपा होती है साक्षात उसके अंत:करण में ईश्वर की शक्ति समाहित होती है. राजनीतिक ढंग से भले ही कोई थोड़ा बहुत प्रताड़ित कर ले लेकिन वास्तविकता यह है कि जो प्रताड़ित करने वाले हैं वे ही भस्म होने की कगार पर खड़े हो जाएंगे। और इस तरह धमकी भरे पत्र भेजकर गुंडे बदमाशों की तहजीब का अनुकरण करने जो वाले व्यक्ति हैं एक न एक दिन उनकी मिट्टी पलीद होना तय है. वह दिन दूर नहीं जब सीएमओ के साथ अभद्रता करने वाले एवं उनको धमकी भरी पत्र लिखवने वालों को ईश्वरी दंड होने की खबर से नर्मदापुरम के वासियों को अवगत होना पड़ेगा।

चुनाव आयोग द्वारा दी गई गाइडलाइन पढ़कर कार्य करें: एसपी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सभी सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी चुनावी मोड में आ जाएं। फील्ड में अपनी सक्रियता दिखाएं। मतदान केंद्रों का भ्रमण व मतदान केंद्र में बुनियादी सुविधाएं जैसे रैम्प, बिजली, फर्नीचर, छाया, शेड, आदि है कि नहीं उन सब का आकलन कर ले। क्रिटिकल मतदान केंद्र एवं वल्नरेबल मतदान केंद्र की मैपिंग कर वी- 1 एवं वी- 2 फॉर्म में जानकारी इंद्राज करके वी - 3 फॉर्म में समरी बनाकर जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रस्तुत करें। सभी सेक्टर अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी अपने मतदान केन्द्रों का कम से कम संयुक्त रूप से तीन बार अवश्य भ्रमण करें। यह अनिवार्य रूप से देखें कि मतदान केंद्र वलनरेबल तो नहीं है। अगर है तो ऐसे मतदान केन्द्रों का प्राथमिकता से चिन्हांकन करें। उक्त निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने गुरुवार को नर्मदा महाविद्यालय में आयोजित सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों के संयुक्त प्रशिक्षण सत्र में दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करें कि, यदि कोई व्यक्ति मतदान प्रभावित करता है या आपराधिक प्रवृत्ति का है तो उसकी जानकारी भिजवाए ताकि ऐसे लोगों को ब्रांड ओवर करने की कार्रवाई की जा सके । कलेक्टर ने कहा कि ऐसे लोगों के प्रकरण कोई भी एसडीएम अपने कोर्ट में लंबित न रखें। कलेक्टर ने मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप की गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए और कहां की लोकसभा चुनाव 2024 में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान नर्मदापुरम जिले में हो यह सभी सुनिश्चित करें। इसके लिए अपने मतदान केंद्र के आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। कलेक्टर ने कहां की सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने स्तर पर अभी से कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जिन अधिकारी एवं कर्मचारियों का ट्रांसफर अन्यत्र हो गया है उनकी जगह दूसरे अधिकारियों को नियुक्ति करें। सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जोड़ें। कलेक्टर ने साथ ही यह भी कहा कि क्रिटिकल मतदान केंद्र का प्रस्ताव युक्तिकरण के तहत ही भिजवाएं एवं आवश्यक होने पर ही भिजवाएं। अपने स्तर पर इसके लिए बैठक भी करें। उन्होंने कहा कि कई बार मतदान को लेकर भ्रांतियां होती है उन भ्रांतियां को दूर करने का काम भी सेक्टर अधिकारियों का है। उन्होंने कहा कि मीडिया के साथ बेहतर समन्वय रखें। अपनी गतिविधियों, भ्रमण की जानकारी मीडिया तक अनिवार्य रूप से शेयर करें। कलेक्टर ने कहा कि इस बार यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी चुनाव कार्य में लगी है, मतदान केंद्र में लगी है, वे उन्ही मतदान केंद्र में मतदान कर सके। डाक मत पत्र के माध्यम से भी मतदान सुनिश्चित कराया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक गुरुकरन सिंह ने कहा की चुनाव की घोषणा के 3 दिन के अंदर वी - 1व - वी -- 2 फॉर्म भरकर सभी सेक्टर पुलिस अधिकारी देंगे । उन्होंने कहा कि कल शाम तक सेक्टर अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी संयुक्त रूप से मतदान केंद्रों का भ्रमण कर ले। मतदान केंद्र में जो भी मूलभूत सुविधाएं हैं, उसका उल्लेख करें। और यदि कोई कमी है तो उसे भी बताएं ताकि समय रहते उन कमियों को दूर किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि क्रिटिकल मतदान केंद्र 7 श्रेणी का होता है। उन सातों श्रेणियां की मैपिंग संयुक्त रूप से अधिकारी करें। उन्होंने कहा कि आप जब संयुक्त रूप से भ्रमण करेंगे तो मतदान केंद्र के अलावा सड़क मार्ग एवं रूट को भी देखें। चुनाव आचार संहिता का अक्षर; पालन करें एवं चुनाव आयोग द्वारा दी गई गाइडलाइन को अच्छे से पढ़कर ही अपना कार्य करें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर देवेंद्र सिंह , मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे सहित सेक्टर अधिकारी गण एवं पुलिस अधिकारी गण उपस्थित थे।

आगामी लोकसभा चुनाव के संबंध में व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

कार्यालय कलेक्टर नर्मदापुरम के रेवा सभाकक्ष में गुरुवार 14 मार्च को आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ से संबंधित प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी डी.के. सिंह की अध्यक्षता में उपस्थित जिला नोडल अधिकारी (व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ), सहायक नोडल अधिकारी, सहायक व्यय प्रेक्षक एवं सभी व्यय अनुवीक्षण से संबंधित दलों के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए, जिन्हें मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण प्रदाय किया गया।

ग्रीष्मकालीन मूंग फसलों की सिंचाई हेतु 30 अप्रैल से नहरों से पानी छोड़ा जाएगा

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में हुआ निर्णय

ग्रीष्मकालीन मूंग फसलों की सिंचाई हेतु कमांड क्षेत्र अंतर्गत नर्मदा पुरम के 43, 610 हेक्टेयर क्षेत्र में नहरों से सिंचाई होना है। तवा नहर से 30 अप्रैल को पानी छोड़ा जाएगा। तवा बांई तट मुख्य नहर से लगातार 60 दिन तक एवं तवा दाई तट मुख्य नहर से 48 दिवस तक पानी दिया जाएगा। जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में सर्वसम्मति से उक्त निर्णय हुआ।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधाबाई, जनप्रतिनिधि श्री पीयूष शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत , अपर कलेक्टर देवेंद्र सिंह, जल संसाधन विभाग के अधिकारीगण, किसान प्रतिनिधि मौजूद थे।

बताया गया कि वर्तमान में जल भराव का प्रतिशत 51 है। तवा जलाशय में 997 एमसीएम पानी है, जो गत वर्ष की तुलना में डेढ़ एमसीएम ज्यादा है। कलेक्टर ने अवगत कराया की नहर में मरम्मत की आवश्यकता है। नहर में कही - कही सिपेज हो रहा है। मरम्मत के लिए टेंडर भी लगाया गया है। वर्तमान में विभागीय स्तर पर मरम्मत का कार्य भी चल रहा है। 30 अप्रैल से पहले नहरे दुरुस्त हो जाएंगी। विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा ने कहा कि नहर के द्वारा जब पानी छोड़ा जाता है तो पानी खेतों के अलावा अन्यत्र भी चला जाता है। जहां पानी की आवश्यकता नहीं है वहां भी चला जाता है। इससे पानी की बर्बादी भी होती है इसे रोकने की आवश्यकता है। जल संसाधन विभाग के ई ने बताया कि इस बार विसोनी कला एवं म्याऊं गांव तक पानी के लिए नहर को बढ़ाया गया है। स्टाफ की कमी होने के चलते अभी माइनर नहीं बढ़ाया है।

सीएमओ का हुआ स्थानांतरण, उईके ने लिया चार्ज

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका में लगभग 6 महीने से कार्यरत सीएमओ का परिषद और कार्यालय के कर्मचारियों से लगातार विवादों में घीरी रही। विवाद दिन पे दिन इतना गहराता जा रहा था कि ब्राह्मण समाज और आदिवासी संगठन आमने-सामने आ गए थे। सीएमओ और नपा के विवाद को क्षेत्रीय विधायक ने भी बंद कमरे में सुलझाने की कोशिश की लेकिन विवाद तूल पकड़ता ही गया। इसी के चलते 14 मार्च को परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण नर्मदापुरम का आदेश आया की सुश्री शीतल भलावी मुख्य नगरपालिका अधिकारी सिवनी मालवा को नगरपालिका परिषद सिवनी मालवा से जिला शहरी विकास अभिकरण नर्मदापुरम में संलग्न किया जाता है एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सिवनी मालवा का चालू प्रभार राजस्व निरीक्षक अमर सिंह उईके को सौंपा जाता है। आदेश के बाद ही नगर पालिका अध्यक्ष रितेश कुमार जैन नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शैलेंद्र गौर पार्षद दीपक बाथव पार्षद ईश्वर जमीदार कमलेश लोवंसी ने नए सीएमओ के पद पर कार्यरत श्री उईके को बधाई दी।

मेट्रो एंकर | नगर पालिका की छवि खराब करने की कोशिश

नपा अध्यक्ष और कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष के साथ कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार राकेश खजूरिया को सौंप कर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि 07 मार्च 2024 को नगर के कुछ तथाकथित व्यक्तियों बंधुओं द्वारा समाचार पत्र एवं प्रिंट मिडिया में नगरपालिका की छवि धूमिल करते हुये भ्रामक खबर लगाई गई जिसको माध्यम बनाते हुये सिवनी मालवा पटवारी संघ ने दिनांक 12 मार्च 2024 को कलेक्टर के नाम तहसीलदार सिवनी मालवा को ज्ञापन सौपा। जिसमें उल्लेख किया गया कि पत्थर पुल के समीप ग्राम बराखड़ कलां का खसरा क्र. 09 रकबा 0.142 हेक्टेयर भूमि उपखण्ड सिवनी मालवा अंतर्गत कार्यरत पटवारी और राजस्व निरीक्षकों के कार्यालय व आवास के लिये आरक्षित की गई थी। शासन आदेश के उपरांत भूमि पर कार्यालय का निर्माण होना है वहीं पटवारियों ने यह भी उल्लेख किया कि प्रिंट मिडिया एवं इलेक्ट्रानिक मिडिया के माध्यम से यह मामला हमारे संज्ञान में आया कि नगरपालिका सिवनी मालवा द्वारा उक्त भूमि पर बिना शासन की अनुमति के अतिक्रमण कर व्यवसायिक काम्पलेक्स का निर्माण किया जा रहा है।

उपरोक्त विषयांतर्गत हम शासन को अवगत कराना चाहते है कि पटवारी संघ और कुछ तथाकथित व्यक्तियों द्वारा नगरपालिका परिषद और शासन की छवि को झूठी खबर एवं असत्य जानकारी के माध्यम से जनता के बीच में छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है जबकि तत्कालीन कलेक्टर के निर्देश पर नगरपालिका परिषद के साथ तत?कालीन एसडीएम एवं तहसीलदार द्वार नगर की अतिक्रमणयुक्त एवं रिक्त व उपयोगी भूमि जो शासन की विभिन्न योजनाओं में उपयोगी थी उसे चिन्हित कर कब्जा मुक्त कराई गई थी। वहीं उक्त भूमि जो लोहिया पुल के साईड में है जिसके लिये नगरपालिका विगत 01 वर्ष से जमीन आवंटन के आनलाईन आवेदन किया गया था, जिसके परिपेक्ष्य में कुछ जमीन हमें आवंटित हो गई एवं कुछ जमीन आवंटन की प्रक्रिया प्रचलन में है वही उपरोक्त जमीन जिसका खसरा क्र. 09 रकबा 0.142 हेक्टेयर (2000 वर्गफीट) जिस पर नजबुननिशा पति फकरुद्दीन जाति मुसलमान द्वारा उक्त जमीन पर टीनसेट लगाकर अवैध कब्जा कर रखा था उक्त जमीन के पीछे अतिक्रमणकारी का प्लाट, मकान एवं दुकान बनी हुई है यह कब्जा मुख्य मार्ग पर होने के कारण सभी की नजरों में था। हमारी परिषद बनने के बाद विगत 18 माह से जनता के हित में नगर के विकास के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है जो कुछ लोगों को खल रहा है। उनके द्वारा नगरपालिका परिषद एवं शासन की छवि धूमिल करने का प्रयास द्वेष की भावना से किया जा रहा है जबकि शासन ने पटवारी एवं आर.आई के कार्यालय व आवास के लिये कोई भी जगह आरक्षित कभी नहीं की गई। इसके अलावा यह भी बताया गया कि समाचार पत्रों में दुकानों की नीलामी के संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी का कथन छपा कि यह मेरी जानकारी में नहीं है यह भी पूर्ण रूप से असत्य जानकारी है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी के ट्रेनिंग (गोवा, इंदौर एवं भुवनेश्वर) में जाने के कारण अपना चालू प्रभार किसी अन्य अधिकारी को सौपा गया था तथा आने के बाद उसी विज्ञिप्त पर उन्होने हस्ताक्षर किये। केवल उनके द्वारा हठधर्मिता के कारण गुमराह करने का बयान दिया गया।

मिलावट के खिलाफ विशेष अभियान, 6 लाख 21 हजार रुपए मूल्य का खुला तेल जप्त

राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले में खाद्य सामग्री में किसी भी प्रकार की मिलावट ना हो पाए इसके लिए विशेष सघन जांच पड़ताल अभियान संचालित किया जा रहा है। नवागत कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने संबंधित विभागों की बैठक कर उन्हें मिलावट के खिलाफ विशेष अभियान तहत बड़े पैमाने पर कार्यवाही करने हेतु ताकीद किया है। इसी कड़ी के तहत संभागीय उडनदस्ता एवं जिला टीम के संयुक्त समन्वय से आज विदिशा शहर में की गई औचक जांच पड़ताल के दौरान 6 लाख 21 हजार रुपए मूल्य का खाद्य तेल बिना खाद्य अनुज्ञप्ति का पाए जाने पर जप्त कर सेम्पल परीक्षण हेतु भेजने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया है, निरीक्षण के दौरान स्वर्णकार कालोनी स्थित किरण ट्रेडर्स में 6 टन खुला रिफाइंड सोयाबीन तथा अभिषेक ट्रेडर्स में लगभग 200 किलोग्राम राइस ब्राउन तेल का विक्रय हेतु भण्डारण होना पाया गया है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत खुला तेल का विक्रय प्रतिबंधित होने के कारण संभागीय उड़नदस्ता दल के द्वारा दोनों प्रतिष्ठानों में उपलब्ध सम्पूर्ण मात्रा को जप्त किया गया। विकय किये जा रहे तेल की गुणवत्ता की जांच हेतु खुले तेल के नमूने एकत्र कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल प्रेषित किया गया है। अभिषेक ट्रेडर्स में बिना खाद्य अनुज्ञप्ति प्राप्त किये खाद्य कारोबार का संचालन होना पाया गया था जो खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31 का उल्लंघन है तथा धारा 63 के अन्तर्गत जुर्माना से दण्डनीय है।

उड़नदस्ता के द्वारा पीतलमिल औद्योगिक क्षेत्र स्थित डायमण्ड फूड प्रोडक्ट्स का निरीक्षण कर टोस्ट तथा उपयोग किये जा रहे पाम तेल के नमूने लिये गये। संभागीय उड़नदस्ता में खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार दुबे, अरूणेश पटेल तथा संदीप पाटिल के साथ स्थानीय अधिकारी गण राजस्व विभाग के नायब तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद त्यागी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती एडलिन ई. पन्ना तथा संदीप वर्मा शामिल रहे।

मुस्लिम त्योहार कमेटी ने मीट की दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे की मांग को लेकर नपा को दिया आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर वसीम ने एक आवेदन मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम दिया जिसमे कहा गया की नगर मे चल रही मीट की दुकानों पर पुरानी तराजू बाँट से ही मीट की तोल की जा रही है जिससे आये दिन मीट दूकानदारो मे और उपभोक्ताओं मे आपसी बेहस होती रहती है जिससे कभी कभी आपस मे विवाद की स्तिथि बनती है, ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर वसीम ने आवेदन के माध्यम से मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मांग की है की नगर मे चल रही सभी मीट की दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे लगाने के लिए निर्देशित करें क्युकी नगर पालिका दुआरा ही इनको मीट बेचने, एवं पशुवध के लिए अनुमति दी जाती है इसलिए नगर पालिका द्वारा ही इन मीट बेचने वाले दूकानदारो को निर्देशित किया जाए की मीट के तोलने का कारोबार इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे से ही किया जाए ताकि दुकानदार और उपभोकताओ आपसी विवाद से बच सके।

आए दिन हो रही दुर्घटनाओं से भी जिम्मेदार नहीं ले रहे सीख, बीच सड़क पर खड़े हैं ट्राले

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एसडीओपी के निर्देशों का भी नहीं हो रहा पालन

बड़े वाहन चालको की लापरवाही के कारण आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है फिर भी इनकी मनमानी पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इस वजह से इनकी मनमर्जी जारी है शहर में भी तेज गति से बड़े वाहनों को दौड़ने का काम किया जा रहा है कार्रवाई नहीं होने के कारण प्रतिबंध के बाद भी दिन में पूरे समय बड़े वाहनों का आना जाना तो लग रहता है । अब इनकी हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि बड़े ट्रॉलो को भी बीच सड़क पर खड़े करके उनमें से सामान खाली करने का काम भी किया जा रहा है । गुरुवार को बासौदा नाके पर मंडी रोड पर एक वाले ट्राले में से चाप की बोरियां को खाली करने का काम किया जा रहा था इस वजह से इस मार्ग पर काफी देर तक सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई क्योंकि इस मार्ग से ही उपज मंडी से लेकर तहसील थाने बैंकों स्कूल तथा बड़े शहरों को जाने का रास्ता है फिर भी इस तरह की लापरवाही बड़े वाहन चालकों के द्वारा की जा रही है ऐसी वाहन चालकों पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं होने से आम जनता को जरूर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सुबह 8 से लेकर रात्रि 10 बजे तक नगर में बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने के निर्देश एसडीपीओ उमेश कुमार त्रिपाठी के द्वारा पुलिस प्रशासन को दिए गए हैं पर उनके निर्देशों को भी पुलिस तथा यातायात पुलिस के द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। तभी तो भारी वाहनों का प्रवेश तो निरंतर जारी है ।अब वाहन चालकों के द्वारा दिन में ही इनमें से समान खाली करने का काम करके आम जनता की समस्याएं बढ़ाने का काम जरुर कर दिया है। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में जैसे ही मंडी में आवक पड़ेगी तो समस्या और ज्यादा विकराल रूप ले लेगी बड़े वाहन चालकों के मालिकों को समझाइश देकर इस तरह की लापरवाही करने से इन्हें रोकना होगा नहीं इसके बाद भी लापरवाही करते हैं तो चालानी कार्रवाई भी करनी होगी तभी कुछ हद तक समस्या का समाधान हो सकेगा। इस मार्ग पर लगने वाले जाम की समस्या से मुक्ति मिल पाएगी जैसे कि पुलिस के द्वारा व्यापारियों को नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया है।

इमलानी सड़क ठेकेदार नहीं कर रहा तराई, 34 डिग्री पहुंच तापमान, बड़ी मुश्किल से बन रही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कई ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली इमलानी मार्ग की सड़क का निर्माण बड़ी मुश्किल से हो रहा है। अब सड़क ठेकेदार के द्वारा मनमर्जी सड़क बनाकर खाना पूर्ति की जा रही है। जबकि पिछले दिनों ही एसडीएम हर्षल चैधरी ने उक्त मार्ग का जायाज लेकर गुणवत्ता के साथ काम करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों तथा सड़क ठेकेदार को दिए थे। पर एमपी आरडीसी की जिम्मेदारियां के द्वारा एसडीम के निर्देशों के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।इसी वजह से सड़क ठेकेदार के द्वारा सीसी सड़क डालने के बाद उसकी तलाई भी नहीं कराई जाती इन दिनों गर्मी तेजी से बढ़ रही है तापमान 34 डिग्री के करीब पहुंच गया है। तलाई नहीं होगी तो सड़क भी जल्दी ही गढ़ों में तब्दील हो जाएगी ग्रामीण संतोष यादव ने बताया कि कई सालों के बाद सड़क का निर्माण हो रहा है पर इसमें भी गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सीसी डालने के बाद तलाई नहीं हो रही है इस वजह से जल्दी सड़क उखाड़कर गढ़ों में तब्दील हो जाएगी 2 दिन पहले ही सीसी डाली गई है,उसकी भी तलाई करने के लिए कोई नहीं आ रहा है।

ग्राम पंचायत द्वारा चौकीदार एवं सरपंच पति के खाते में किया लाखों का भुगतान!

सरपंच पति द्वारा स्वयं को बताया जाता हैं सरपंच

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत नटेरन अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जिस तरह से बिना किसी डर के भ्रष्टाचार किया जा रहा है, यह बात किसी से छिपी नहीं है सब जानते हैं इस बात को उसके बाद भी जिम्मेदार खामोश है, भ्रष्टाचार से जुड़ा ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है।

ग्राम पंचायत ऐंचदा में भ्रष्टाचार की जो इबारत लिखी गई है वह इस लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इस सरपंच पति की भूमिका बड़ी दिलचस्प है, एक पुरानी कहावत है कि जब सैंया भये कोतवाल फिर डर किस बात यनि की अपनी पत्नी के सरपंच होने का सरपंच पति भरपूर फायदा उठा रहे हैं और अपने चहेतों को फायदा पहुंचा रहे हैं। ग्राम पंचायत द्वारा विभिन्न मदों से कराये गये,निर्माण कार्यों सहित एसबीएम ग्रेवाटर मैनेजमेंट सहित अन्य कार्य करवाये गये है,उन कार्यों में विभिन्न मदों से लाखों रुपये राशि खर्च की गई है। उक्त सभी निर्माण कार्यों की जांच कराया जाना ग्रामीणों के और ग्राम पंचायत में होने वाले विकास कार्यों के हित में होगा,सचिव सरपंच ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया है। सरपंच पति शाल्क राम राठोर के खाते में साफ सफाई एवं भूसा क्रय सहित पुताई के कुल 13 बिलों की राशि 320000 रूपये डाली गई है, वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत द्वारा प्रेमनारायण नामक चौकीदार के खाते में भी साफ सफाई और भूसा क्रय व? पुताई के अलावा चौकीदार का मानदेय सहित के कुल 11 बिलों की राशि 101700 रूपये डाली गई है। ग्राम पंचायत की सरपंच महिला है और पंचायत को सरपंच कि जगह उनके पति सरपंच बन कर चला रहे हैं।

अतिथि शिक्षक संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक में बनी रणनीति

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को अतिथि शिक्षक संगठन समिति की प्रदेश स्तरीय बैठक महामाई मंदिर प्रांगण में हुई। बैठक को प्रदेश अध्यक्ष शंभू दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे संघर्ष की देन है की सरकार ने दुगुना मानदेय किया है और दुख का कारण यह है की दो सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने जो घोषणाएं महा पंचायत में की कई घोषणाओं के आदेश अभी तक नही किए हैं, कुछ साथियों को बीच सत्र में निकले जा रहे हैं ,उनका भविष्य को स्थाई करे उनके लिए न निकाला जाए, हम सब एक होकर इस लड़ाई को लड़े तो सरकार को भी हमारी बात माननी होगी संगठन में ही शक्ति होती इसी बात को लेकर सभी पूरी ताकत से संगठन के लिए कम करें। , जिला अध्यक्ष राकेश कुशवाह ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हम सब एक होकर कार्य करेंगे और आगामी समय में मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मिलकर अतिथियों के हितों में मिलकर अपनी बात रखेंगे उसके लिए भी सभी लोग तैयार रहें।

घोषणाएं की थी बारह माह का सेवाकाल और 50 प्रतिशत आरक्षण और गुरुजियों की तरह विभागीय परीक्षा लेकर नियमित करने जो घोषणा की है उसको भी सरकार जल्दी पूरा करें। अतिथियों ने अपनी व्यथा सुनाई चार पांच माह में अभी वेतन मिल पा रहा है। जिससे परिवार का पालन मुस्किल से हो पा रहा है इस समस्या के समाधान के लिए भी सरकार को ध्यान देकर नियमित रूप से आती शिक्षकों के खातों में वेतन डालना चाहिए उसे पर भी चर्चा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक मौजूद थे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना ऐशबाग जिला भोपाल

दूरभाष नं. 0755-2677353, Email- psaishbagh@gmail.com)

जाहिर सूचना/पम्पलेट

थाना ऐशबाग भोपाल मर्ग क्रमांक 08/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 11/02/2024 को सूचक मोह. अमजद पिता जलालउद्दीन उम्र 28 साल नि. म.न. 34 गली नं. 01 हाता मनकशा थाना ऐशबाग भोपाल ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि दिनांक 11/02/2024 को सुबह करीबन 09.30 बजे मैं अपनी दुकान खोलने गया तो देखा कि मेरी दुकान के बगल में पेट्रोल पम्प वाले की बंद दुकान के सामने ऐशबाग रोड पर भीड़ लगी हुई थी पास जाकर देखा तो भीख मांगने वाला चप्पू नाम का व्यक्ति उम्र करीब 50-55 साल का पड़ा हुआ था जिसे हिला डुला कर दखा जिसकी मौत हो चुकी है। उक्त व्यक्ति का में सिर्फ नाम जानता हूं, वह अक्सर आसपास भीख मांगता खाता पीता था व फुटपाथ व दुकानों के सामने सो जाता था एवं शराब पीने का आदी था। कि सूचक की सूचना पर मर्ग क्रं. 08/24 धारा 174 दं.प्र.सं. का कायम कर जांच में लिया गया है।

अतः मृतक अज्ञात पुरूष चप्पू उम्र करीबन 50-55 वर्ष के वारिसानों की पतारसी तथा उक्त मृतक अज्ञात पुरूष चप्पू की शिनाख्तगी के संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त होती है तो थाना ऐशबाद के दूरभाष क्रमांक 0755-2751761, 9479990521, 7049106467 (जांचकर्ता)पर सूचित करने का कष्ट करें।

मृतक का हुलिया- रंग सांवला, **चेहरा**- लम्बा, **कद**- 05.05 फीट, **बदन** - दुबला पता, **पहनावा**- सफेद रंग का कुर्ता, आसमानी रंग की जींस पेंट, पेर में चप्पल पहने है।

अन्य पहचान व किसी प्रकार का गुदना चिन्ह, तिल- दाये हाथ में काले रंग धागा बंधा है।

थाना प्रभारी
थाना ऐशबाग, भोपाल

G-26068/23

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email- eephedbet@mp.nic.in

//निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक 645/लेखा/ का.यं/लो.स्वा.या.वि.खंड/बैतूल दिनांक 07.03.2024

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्यति से पोर्टल https:// mptenders.gov.in बैतूल जिले के विकासखंड मुलताई एवं प्रभातपटटन के विभिन्न ग्रामों में 200/150 मि.मी. व्यास एवं 300 मीटर गहरे 20 नग टेलिस्कोपिक नलकूप खनन कार्य हेतु निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 01/09/2023 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर निम्नानु सार आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई टेण्डर आई.डी.	विकासखंड	निविदा की अनुमानित लागत (रू लाख में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	139/2023-24/ Dt.07.03.2024	2024_PHED_ 342479_1	मुलताई	49.80	50000	5000	02 माह वर्षाकाल छोड़कर	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत
2	140/2023-24/ Dt.07.03.2024	2024_PHED_ 342480_1	प्रभातपटटन	49.80	50000	5000		
ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारंभिक तिथि व समय				11.03.2024	11.00	बजे तक		
ऑनलाईन निविदा पर डालने की अंतिम तिथि व समय				28.03.2024	17.30	बजे तक		
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय				30.03.2024	11.00	बजे से		

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System)ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री,लो.स्वा.यां. खण्ड , बैतूल म.प्र.

G- 26212/23

कार्यालय प्राचार्य शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल म.प्र.

Website:http://www.mpcolleges.nic.in/ghcbpl, ph/fax No-0755-2660447, 2660081 Email-heghaaccbho@mp.gov.in

क्रमांक/ / भोपाल, दिनांक 27.2.2024

निःशुल्क स्टेशनरी प्रदाय योजनान्तर्गत निविदा आमंत्रण

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों सत्र 2023-24 हेतु शासन से अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क स्टेशनरी प्रदाय योजनान्तर्गत रूपये 500/- की स्टेशनरी का सेट क्रय हेतु भावपत्र आमंत्रित किये जाते हैं। भावपत्र स्पष्ट एवं सुवाच्य तथा निर्धारित प्रपत्र में होना चाहिये। अपठनीय एवं अपूर्ण दर वाले भावपत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा तथा तुलनात्मक विवरण में शामिल नहीं किया जावेगा। भावपत्र निम्न विवरण के साथ प्रकाशन के 10 दिवस में महाविद्यालय में स्वयं/कोरियर/स्पीड पोस्ट से कार्यालयीन समय में प्राप्त होना अनिवार्य हैं। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त भावपत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। सामग्री 500/- किट तैयार कर भेजना अनिवार्य होगा। निविदा खोलने की तिथि प्रकाशित दिनांक से ग्यारवें दिवस समय दोपहर 3.00 बजे का समय रखा गया हैं। निविदा खोलने के समय प्राचार्य एवं क्रय समिति सदस्य व इच्छुक निविदाकार निविदा खोलने की सम्पूर्ण प्रक्रिया में सम्मिलित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए।

नोटः-ग्यारवें दिवस अवकाश की स्थिति में अगला कार्य दिवस में निविदा खोली जाएगी।

क्र.	स्टेशनरी सामग्री का विवरण	भाव प्रति नग	जी.एस.टी.	कुल कीमत
01	रजिस्टर ए-4 साइज (300 पेज)			
02	रजिस्टर ए-4 साइज (250 पेज)			
03	पेन (बॉलपेन)			
04	पेन (जेल)			

नियम एवं शर्तें :-

1. वाणिज्य कर विभाग का जी.एस.टी.आई.एन. नम्बर अनिवार्य है। 2. निर्धारित दिनांक तक प्राप्त भ्ठाावपत्र ही वैद्य रहेंगे। 3. भंडार क्रय नियमों की समस्त शर्त मान्य होगी। 4. लिफाफे पर स्टेशनरी प्रदाय निविदा सत्र 2023-24 स्पष्ट रूप से अंकित करें। 5. निविदा के साथ नमूने की प्रतियां भेजी जाना अनिवार्य हैं। 6. देयक तीन प्रतियों में आदेश के साथ भेजें एवं भुगतान शासन से आवंटन प्राप्त होने पर किया जाएगा। 7.सामग्री एफ.ओ.आर. महाविद्यालय परिसर स्थान ग्रन्थालय होगा। 8. क्रय संबंधित अधिकार महाविद्यालय के प्राचार्य के पास सुरक्षित रहेंगे विवाद की स्थिति में क्रय समिति एवं प्राचार्य का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।

ग्रंथपाल **प्राचार्य**

G-26142/23

आईपीएल इतिहास के सबसे कामयाब कप्तान हैं महेंद्र धोनी

नईदिल्ली, एजेंसी

महेन्द्र सिंह धोनी ने बतौर कप्तान 60.38 फीसदी मुकाबले जीते हैं. अब तक आईपीएल के 212 मैचों में धोनी ने कप्तानी की हैं, जिसमें 128 जीत मिली है, जबकि 82 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. आईपीएल इतिहास के सबसे कामयाब कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी हैं. महेन्द्र सिंह धोनी ने बतौर कप्तान 60.38 फीसदी मुकाबले जीते हैं. अब तक आईपीएल के 212 मैचों में धोनी ने कप्तानी की हैं, जिसमें 128 जीत मिली है, जबकि 82 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. वहीं, इसके बाद रोहित शर्मा दूसरे सबसे कामयाब कप्तान हैं. रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 158 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 87 जीत मिली है, जबकि 67 मैच हारे हैं. इस तरह रोहित शर्मा की कप्तानी में 55.06 फीसदी मैच मुंबई इंडियंस ने जीते हैं। महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद तीसरे नंबर विराट कोहली हैं. विराट कोहली की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 46.15 फीसदी मुकाबले जीते हैं. अब तक आरसीबी ने विराट कोहली की कप्तानी में 143 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 66 जीत मिली है, जबकि 70 मैचों में शिकस्त का सामना करना पड़ा है. इसके बाद आईपीएल इतिहास में गौतम गंभीर चौथे सबसे कामयाब कप्तान हैं।

इन फेहरिस्त में इन दिग्गजों का नाम है शामिल

वहीं, डेविड वॉर्नर ने बतौर कप्तान 52.24 फीसदी मुकाबले जीते. डेविड वॉर्नर की कप्तानी में 35 जीत मिली, जबकि 30 मैचों में हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद शेन वॉटसन हैं. आईपीएल में शेन वॉटसन ने बतौर कप्तान 52 मुकाबले खेले, जिसमें 30 जीत के अलावा 24 हार मिली. इस तरह शेन वॉटसन की कप्तानी में 54.55 फीसदी मुकाबले जीते. वीरेन्द्र सहवाग ने कप्तान के तौर पर 28 मुकाबले जीते, जबकि 24 मैचों में हार का सामना करना पड़ा. उनकी कप्तानी में 53.85 फीसदी कामयाबी मिली. सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 51 मुकाबले खेले, जिसमें 30 जीते, लेकिन 21 मैचों में शिकस्त मिली. इस तरह मास्टर ब्लास्टर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस को 58.82 फीसदी मैचों में कामयाबी मिली।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा फाइनल

दिल्ली की टीम का खिताबी मुकाबला 17 मार्च को होगा

मुंबई, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स ने विमेंस प्रीमियर लीग के सीजन-2 के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने आखिरी लीग मुकाबले में गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से हराया। इस जीत के बाद दिल्ली में पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल की। अरुण जेटली मैदान पर गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 13.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 129 रन बनाते हुए जीत हासिल की। ओपनर शेफाली वर्मा प्लेयर ऑफ द मैच चुनीं गई। उन्होंने 37 बॉल पर 71 रनों की आतिशी पारी खेली। दिल्ली की टीम का खिताबी मुकाबला 17 मार्च को एलिमिनेटर की विजेता टीम से अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। एलिमिनेटर मुकाबला 15 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच इसी मैदान पर खेला जाएगा। दिल्ली ने 8 में से 6 मैच जीतकर 12 अंकों के साथ टॉप पोजिशन हासिल की है, जबकि डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस 8 में से 5 जीत के साथ 10 अंक ही हासिल कर सकी और दूसरे नंबर पर रही। बेंगलुरु ने 4 जीत और 4 हार के साथ 8 अंक हासिल करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। लेनिंग-कैप्सी जल्दी आउट, शैफाली-रोड्रिग्ज ने संभाला 127 रन का टारगेट चेज करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब रही। टीम ने चौथे ओवर में 31 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे। यहां कप्तान मेग लेनिंग 18 और एलिस कैप्सी शून्य पर पवेलियन लौट गई।

अमेरिकी बॉक्सर ने हराया

टूटा निशांत का पेरिस ओलंपिक में खेलने का सपना, क्वार्टर फाइनल में मिली हार

बुस्तो अर्सिजियो, एजेंसी

निशांत देव 71 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने से चूक गए जबकि यहां पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर से सभी भारतीय मुक्केबाजी खाली हाथ लौटे। निशांत को लाइट मिडिलवेट वर्ग के क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अमेरिका के ओमारी जोंस के विरुद्ध 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निशांत को लाइट मिडिलवेट वर्ग के क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अमेरिका के ओमारी जोंस के विरुद्ध 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व

चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत अगर अंतिम आठ चरण का मुकाबला जीत लेते तो पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लेते। यहां हिस्सा ले रहे नौ भारतीय मुक्केबाजों में से कोई भी मुक्केबाजी में देश के चार ओलंपिक कोटा में इजाफा नहीं कर पाया।

नवारो ने सबालेंका को चौंकाया, गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट: दुनिया की नंबर दो सबालेंका को हराया

मलेशिया, एजेंसी

अमेरिकी टेनिस सनसनी एम्मा नवारो ने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 6-3, 3-6, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार परीबा ओपन में एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। इस बीच, कोको गॉफ ने अपना 20वां जन्मदिन शानदार ढंग से मनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी पर आसानी से हावी होकर आगे बढ़ गईं। कोर्ट पर अपने संयमित आचरण के लिए मशहूर नवारो को सबालेंका की शक्तिशाली सर्विस की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा। हालाँकि, वह इससे घबराई नहीं और अपने पांच ब्रेक-प्वाइंट अवसरों में से चार का फायदा उठाते हुए हवादार परिस्थितियों में जीत हासिल की। मैच के शुरुआती छह गेम कड़े थे और किसी भी खिलाड़ी

को ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं मिला, जब तक कि नवारो ने सबालेंका की गलतियों के बाद 5-3 की बढ़त हासिल नहीं कर ली। दूसरे सेट में सबालेंका की वापसी के बावजूद, नवारो ने अपना संयम बनाए रखा, एक महत्वपूर्ण सर्विस बरकरार रखी और मैच प्वाइंट पर चौथा ब्रेक प्वाइंट भुनाकर जीत पक्की कर ली। यह जीत रैंकिंग के हिसाब से नवारो की सर्वश्रेष्ठ जीत है और सीज़न के चौथे क्वार्टरफाइनल और डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर उसके करियर की पहली जीत है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मेरे लिए सुर्खियों में रहना और ऐसे कोर्ट पर खेलना थोड़ा अस्वाभाविक है जहां ढेर सारे प्रशंसक और टीवी हों और निगाहें मुझ पर हों। यह मेरा स्वाभाविक तरीका नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं निश्चित रूप से इसके साथ अधिक सहज हो रही हूं। और ऐसा महसूस कर रही हूं कि भले ही बहुत सारे लोग देख रहे हों।

पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने खोला राज

बॉलर जसप्रीत बुमराह और बेटर हार्दिक पांड्या का करियर कप्तान रोहित शर्मा ने बचाया था

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की टीम एक नए कप्तान के अंदर खेलती दिखेगी। 2013 के बाद पहली बार रोहित शर्मा इस लीग में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते नहीं दिखेंगे। इस साल टीम की कप्तानी हार्दिक पांड्या को सौंपी गई है। हिटमैन को कप्तानी से हटाने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने मुंबई टीम मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी की जमकर आलोचना की थी। रोहित ने टीम को पांच खिताब दिलाए, लेकिन नए कोच मार्क बाउचर ने टीम में बदलाव की बात कही थी। वह रोहित को खुलकर बल्लेबाजी करने देना चाहते हैं। ऐसे में उन पर से जिम्मेदारियों को हटाना जरूरी था। इसके लिए हार्दिक को गुजरात

टाइटंस से ट्रेड किया गया। हार्दिक को आईपीएल से पहले रिलीज कर दिया था, अब वह फिर से टीम में वापसी कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई इंडियंस के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने टीम के साथ अपने समय के दौरान मुंबई इंडियंस के कैंप की एक दिलचस्प घटना साझा की।

मेट्रो बाजार

अब पैरामाउंट से वायकॉम18 की हिस्सेदारी खरीदेगी रिलायंस

नईदिल्ली, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज पैरामाउंट ग्लोबल से लोकल एंटरटेनमेंट नेटवर्क वायाकॉम 18 मीडिया की 13.01 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। दोनों कंपनियों के बीच यह डील 517 मिलियन डॉलर (करीब 4,286 करोड़ रुपए) में हुई है। इस डील के पूरा हो जाने के बाद वायाकॉम 18 में रिलायंस की हिस्सेदारी 57.48 फीसदी से बढ़कर 70.49 फीसदी हो जाएगी। वायाकॉम में पैरामाउंट ग्लोबल जो 13.01 फीसदी हिस्सेदारी बेच रही है, वह उसकी दो सब्सिडियरी कंपनियों की है। वायाकॉन 18 रिलायंस की स्वामित्व वाली कंपनी है। इसके पास कॉमेडी सेंट्रल, निकलोडियन और एमटीवी जैसे 38 टीवी चैनलों का नेटवर्क है। वहीं पैरामाउंट ग्लोबल, अमेरिका की मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी है। 2019 में वायाकॉम और सीबीएस के मर्जर से ये बनी थी। यह नेशनल

एम्यूजमेंट्स, इंक. की सहायक कंपनी है। मूल रूप से वायाकॉमसीबीएस के रूप में जानी जाने वाली कंपनी का नाम 2022 में पैरामाउंट ग्लोबल रखा था। अमेरिकी कंपनी पैरामाउंट इस डील के बाद वायाकॉम को अपने कंटेंट्स की लाइसेंसिंग देता रहेगा। पैरामाउंट के कंटेंट रिलायंस के जियोसिनेमा पर स्ट्रीम किए जाते हैं। इस ट्रांजैक्शन का पूरा होना रिलायंस और वॉल्ट डिज्नी के बीच पहले से साइन मर्जर डील पर निर्भर है। डील के तहत वायाकॉम 18 को स्टार इंडिया में मर्ज किया जाएगा। नीता अंबानी नई कंपनी की चेयरपर्सन होंगी। वहीं वॉल्ट डिज्नी के पूर्व एग्जीक्यूटिव उदय शंकर वाइस चेयरपर्सन होंगे। डील पूरी होने के बाद ये भारतीय मीडिया, एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स सेक्टर में सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। इसके पास अलग-अलग भाषाओं में 100 से ज्यादा चैनल, दो ओटीटी प्लेटफॉर्म और देश भर में 75 करोड़ व्यूअरशिप बेस होगा। 2025 की शुरुआत में डील पूरी होने की उम्मीद है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2014 में सबसे बड़ा मीडिया एम्पायर बनने लक्ष्य में सबसे पहले नेटवर्क18 के पहले प्रमोटर से कंपनी में स्टेक खरीदी।

क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज के आईपीओ के लिए 18 तक बोली लगा सकेंगे, मिनिमम 14,300 रु. करने होंगे निवेश

मुंबई, एजेंसी। क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज का आईपीएम रिटेल निवेशकों के लिए ओपन हो गया है। इसमें 18 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। 21 मार्च को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। कंपनी इस इश्यू के लिए 175 करोड़ के फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए 0.18 करोड़ शेयर बेचेंगे। मिनिमम 14,300 रुपए करने होंगे निवेश इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 680-715 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में बोली लगाने के लिए लॉट साइज 20 शेयरों का है। यानी आपको इस आईपीओ के लिए मिनिमम 14,300 रुपए निवेश करने होंगे। वहीं आप 13 लॉट के लिए बोली लगाकर अधिकतम 1,85,900 रुपए निवेश कर सकते हैं। क्रिस्टल इंटीग्रेटेड फैसलिटीज मैनेजमेंट कंपनी है जो

हेल्थकेयर, हाउसकीपिंग, गार्डनिंग, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग सर्विसेस, वेस्ट मैनेजमेंट और पेस्ट कंट्रोल सहित कई अन्य सर्विस प्रोवाइड करती है। क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज के क्लाइंट की बात करें तो रेलवे और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया हैं। 31 मार्च 2023 तक, कंपनी 134 हॉस्पिटल, 224 स्कूलों, 2 एयरपोर्ट, 4 रेलवे स्टेशनों और 10 मेट्रो स्टेशनों सर्विस दे रही है। साथ ही कुछ ट्रेनों में ट्रेनों पर कैटरिंग की भी पेशकश की है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

'लव टुडे' के हिंदी रीमेक में दिखेंगी खुशी कपूर! आमिर के बेटे जुनैद के साथ फरमाएंगी इश्क

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अभिनय की शुरुआत करने वाली खुशी कपूर जल्द आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह जोड़ी पहली बार तमिल फिल्म लव टुडे के हिंदी रीमेक के लिए स्क्रीन पर साथ काम करेगी। बोनी कपूर की लाडली बेटी और जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर, जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपना अभिनय डेब्यू किया था। खुशी कपूर डेब्यू के बाद से ही अपने अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। खुशी की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जहां एक तरफ खुशी के फैंस उनकी हर एक अदा और एक्टिविटी पर प्यार लुटाते हैं। तो वहीं, ट्रोल्स कोई न कोई कमी निकालकर उन्हें ट्रोल भी करते हैं। हालांकि, इन सब के बीच अभिनेत्री के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ी खबर आई है।

बोनी कपूर की बेटी जान्हवी की बहन खुशी कपूर, जोया अख्तर की फिल्म से अपना डेब्यू किया था। खुशी डेब्यू के बाद अपने अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं।

ओटीटी पर होगी रिलीज: अभिनेत्री फिलहाल 'नादानियां' की शूटिंग कर रही हैं। यह सरजमीन के बाद सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की दूसरी फिल्म है। यह फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने निर्मित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म डायरेक्ट-टू-ओटीटी रिलीज होगी और शाउना गौतम के निर्देशन की पहली फिल्म होगी।

इस फिल्म से किया था डेब्यू

बता दें कि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। यह बताया गया है कि फिल्म की शूटिंग इस गर्मी में शुरू होगी। बता दें कि खुशी कपूर की पिछली फिल्म द आर्चीज 2023 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें अगस्त्य नंदा, सुहाना खान, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, अदिति सहगल और युवराज मेंडा ने अभिनय किया था। फिल्म को दर्शकों ने की खूब सराहना मिली थी।

• फिल्मों से बदलेगी किस्मत!

उर्फी जावेद की जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री, 'एलएसडी 2' से करेंगी डेब्यू

उर्फी जावेद अक्सर अपने अलग ड्रेसिंग सेंस और स्टाइल की वजह से सुर्खियों में रहती हैं. वे अक्सर अपने लुक्स को लेकर ट्रोल भी होती रही हैं. अपने अतरंगी आउटफिट्स के चलते चर्चा में रहने वालीं और ट्रोल होने वाली उर्फी जावेद अब फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रही हैं. खबर है कि उर्फी बहुत जल्द बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद दिबाकर बनर्जी की अपकमिंग फिल्म 'एलएसडी 2' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं. बता दें कि इस फिल्म का दर्शक काफी लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे और अब फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है.

यह है फिल्म की कहानी?: एलएसडी 2 एक ऐसी फिल्म होगी जो इंटरनेट के दुनिया में प्यार की एक कहानी लेकर आएगी जहां सोशल मीडिया का बड़ा इन्फ्लुएंस होता है. डिजिटल में लव और रिलेशनशिप को दिखाती ये फिल्म एक इरोटिक ड्रामा होगी. उर्फी जावेद जो अपने यूनिक फैशन सेंस और सोशल मीडिया प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं, उन्हें इस फिल्म में देखना बिना काफी इंटेरेस्टिंग होगा क्योंकि फिल्म की थीम उनकी पर्सनैलिटी से बिल्कुल मेल खाती है।

• तब्बू की साड़ी पर प्रेस करते थे रोहित शेट्टी

कोई साथ नहीं करना चाहता था काम, तब अजय देवगन ने थामा था हाथ

देश के टॉप और महंगे फिल्ममेकर्स में शुमार रोहित शेट्टी ने करियर की शुरुआत में बहुत छोटे काम किए। वह काजोल के स्पॉटबॉय तक रहे। तब्बू की साड़ियों पर प्रेस करते थे। रोहित शेट्टी की गिनती आज देश के स्टार फिल्ममेकर्स में की जाती है, जिनकी फिल्में करोड़ों कमाती हैं। लेकिन कभी उनके साथ कोई काम नहीं करना चाहता था। बेशक रोहित शेट्टी मशहूर एक्टर और स्टंट डायरेक्टर एमबी शेट्टी के बेटे रहे, लेकिन उन्हें बहुत कड़ा स्ट्रगल करना पड़ा। रोहित शेट्टी और उनके परिवार के कठिनाइयों भरे दिन तब शुरू हुए थे, जब पिता की मौत हो गई थी। उसके बाद तो परिवार की पूरी सेविंग खर्च हो गई। रोहित शेट्टी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मां ने जो पैसे बचाकर रखे थे, वो खत्म हो गए। ऐसे में उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी व मां व बहनों की जिम्मेदारी संभाली। रोहित शेट्टी ने एक बार भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के शो में अपने स्ट्रगल के बारे में बताया था। रोहित शेट्टी ने बताया था कि पिता के निधन के बाद जब मां की सारी जमा-पूंजी खत्म हो गई, तो वो लोग दादी के पास रहने चले गए थे।

संक्षिप्त समाचार

आरबीआई पहुंचे साढ़े पांच लाख से ज्यादा के नकली नोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सात महीने के भीतर साढ़े पांच लाख रुपये से ज्यादा के नकली नोट आरबीआई में जमा कराए गए हैं। बैंक की तरफ से नोडल थाने एमपी नगर में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के मुताबिक पिछले साल आठ अगस्त 2023 से 29 फरवरी 2024 के बीच रिजर्व बैंक में नकली नोट जमा करवाए गए हैं। इनमें दस, बीस, पचास, सौ, दो सौ, पांच सौ और दो हजार रुपये के नकली नोट शामिल हैं। इस अवधि में कुल 5 लाख 57 हजार 930 रुपए रिजर्व बैंक पहुंचे। पुलिस ने मैनेजर विशांक रस्तोगी की रिपोर्ट पर अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुताई करते समय गिरकर घायल हुए व्यक्ति की मौत

भोपाल। चूनाभट्टी इलाके में पुताई करते समय रस्सी टूटने के कारण मजदूर जमीन पर आ गिरा। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बाबू भाई (55) पंचशील नगर में रहते थे और पुताई का काम करते थे। पिछले कुछ दिनों से वह नाबार्ड कालोनी में पुताई का काम कर रहे थे। दो मंजिला घर में पुताई के लिए गुरुवार को वह झूला डालकर पुताई कर रहा था। इसी दौरान झूले की रस्सी टूट गई, जिससे बाबू जमीन पर जा गिरे। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया।

गेंती के हत्थे से की हत्या, आरोपी को आजीवन कारावास

भोपाल। पंचम अपर सत्र न्यायाधीश विनय कुमार भारद्वाज की अदालत ने करीब पांच साल पुराने एक हत्या के मामले में आरोपी अरजान खान उर्फ महफूज को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में 1200 रूपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले में एक आरोपी को बरी किया गया है। वही दो आरोपित अभी भी फरार हैं। उक्त प्रकरण में एक महिला सह आरोपित का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। लोक अभियोजक के अनुसार, 29 जुलाई 2019 को फरियादी द्वारा अशोका गार्डन थाने में रिपोर्ट लिखवाई गई थी कि 27 जुलाई को 2019 को उसका पुत्र अपनी मित्र से मिलने गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला की आरोपी अरजान उर्फ महफूज ने गेंती के हत्थे से फरियादी के बेटे पीयूष के सिर पर हमला किया था। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई थी।

अलग-अलग स्थानों पर जुए की फड़ों पर छापा, डेढ़ दर्जन गिरफ्तार

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर जुआ खेल रहे करीब डेढ़ दर्जन जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से हजारों रुपये की राशि और ताश पत्ते जब्त किए गए हैं। जानकारी के अनुसार टीला जमालपुरा पुलिस ने जुआ खेल रहे विजय, शिवकुमार, सादिक, राजेश और सलीम से 8340 रुपए, दूसरी फड़ से कुंजीलाल, असगर, ज्ञानसिंह, कल्लू और राशिद से 7220 रुपए और ताश पत्ते जब्त किए हैं। श्यामला हिल्स पुलसि ने भगवान सिंह, श्यामलाल, इसराईल, सुखचंद, नईम और मोहसिन को पकड़कर 760 रुपए और ताश पत्ते जब्त किए हैं। इधर गौतम नगर पुलिस ने सट्टा पर्ची लिख रहे हरप्रसाद को पकड़कर 4900 रुपए और सट्टा पर्ची जब्त की है। ईंटखेड़ी पुलिस ने जुआ खेल रहे सोकिन और राजू को पकड़कर 775 रुपए जब्त किए हैं।

कोर्ट चौराहा पर बीती रात हुआ हादसा, खिड़की से बाहर निकलने के बाद सड़क और बॉडी के बीच फंसे थे व्यवसायी

आल्टो कार को बचाने फॉर्च्युनर कार पलटी, व्यवसायी की मौत, भाई घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित कोर्ट चौराहा पर बीती रात करीब डेढ़ बजे अल्टो कार और फॉर्च्युनर कार में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद फॉर्च्युनर कार पलटकर सीधी हो गई। इस हादसे में फॉर्च्युनर कार में सवार व्यवसायी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके छोटे भाई को गंभीर चोट होने के कारण नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, फॉर्च्युनर कार पलटने के बाद खिड़की से व्यवसायी बाहर आ गए थे और सड़क समेत गेट के बीच दबने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार कपिल जेठानी पिता दौलतराम जेठानी (36) भाग्यश्री अपार्टमेंट, विजय नगर लालघाटी में रहते थे। उनकी ज्योति टाकीज के पास मोबाइल जोन में शॉप है। उनकी दुकान में कुछ काम चल रहा है। बीती रात वह दुकान से काम कराने के बाद करीब डेढ़ बजे के आसपास दुकान से घर जाने के लिए निकले थे। इस दौरान उनकी फॉर्च्युनर कार में उनका छोटा भाई नवीन जेठानी भी था। दोनों भाई कोर्ट होते हुए कोर्ट चौराहा पहुंचे थे। तभी चौराहा पर एक तेज रफ्तार अल्टो कार उनकी कार के सामने आ गई। हादसे के समय कार कपिल जेठानी चला रहे थे और उन्होंने अल्टो को बचाने पूरा प्रयास किया। अल्टो कार को बचाने उन्होंने अपनी कार का स्टेयरिंग पूरा मोड़ दिया था। कपिल की कार भी रफ्तार में थी और एकाएक स्टेयरिंग मोड़ने के कारण अल्टो कार से टकराते हुए उनकी कार पलट गई।

खुली थी फॉर्च्युनर की खिड़की

कपिल की तरफ की खिड़की खुली हुई थी। गाड़ी पलटने के बाद वे खिड़की से बाहर निकल गई। बाहर निकलने के कारण गेट और सड़क के बीच दबने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस हादसे में नवीन को भी चोट आई है।

टैक्सी कोटे की अल्टो

देर रात हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों वाहन जब्त कर लिए है। पुलिस का कहना है कि अल्टो कार में कितने लोग थे यह पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद वे लोग अस्पताल गए या फिर अपने घर चले गए फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

रंजिश में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित इकबाल कॉलोनी में गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे के आसपास रंजिश में तीन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू उसे पसली में बांई ओर लगा है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार इम्तियाज खान पिता रईश उर्फ लल्लू खान (18) शंकर गार्डन अशोका गार्डन में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गुरुवार रात वह करीब साढ़े आठ बजे के आसपास वह कॉलोनी की मस्जिद के पास पहुंचा था। इसी बीच उसे अमन उर्फसेफी, अजिम और जैद उर्फ जब्बु मिल गए। तीनों से इम्तियाज की पुरानी रंजिश है। मिलते ही तीनों ने उससे गालीगलौज शुरू कर दी। इम्तियाज ने उन्हें गाली देने से मना किया तो वह भड़क गए। इस दौरान अमन ने उसे पकड़ लिया अ?ैर जैद ने लात घूंसो से मारपीट कर दी। आरोपी मारपीट करते हुए उससे गालीगलौज कर रहे थे। इसी बीच आरोपी अमन ने चाकू से निकालकर इम्तियाज पर हमला कर दिया। हमला पेट पर किया गया था। बचने के बयास में चाकू इम्तियाज को पेट के ऊपर बांई ओर पसली पर लगा था।

घटना की जानकारी परिजन को लगी औश्र वह इम्तियाज को लेकर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में इलाज के बाद इम्तियाज की हालत में सुधार है। अस्पताल से सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने इम्तियाज से पूछताछ करने के बाद आरोपी मोहम्मद अमन, अजिम और जैद के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहा युवक पकड़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद पुलिस ने अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहे आरोपी फरहान सलमान को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इधर नजीराबाद पुलिस ने ग्राम कोलूखेड़ी कला के पास उपराव सिंह को पकड़कर उसके पास अवैध रूप से रखी शराब जब्त की है। जब्त हुई शराब की कीमत 1750 रुपए बताई गई है। कोलार थाना पुलिस ने ग्राम सुरैया नगर के पास रामप्रसाद पाल से 1540 रुपए की अवैध शराब जब्त की है। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद इलाके से नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक बाजपेयी नगर मल्टी में रहने वाली सोलह वर्षीय किशोरी बुधवार को घर से बगैर बताए गायब हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए नाबालिग की तलाश में पुलिस की एक विशेष टीम लगाई गई थी। पुलिस ने उक्त नाबालिग को कमला नगर इलाके से बरामद कर लिया। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि आरोपी विनोद प्रजापति (24)

उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस पर पुलिस ने आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर अपहरण और दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

अवैध हथियार के मामले में फरार चल रहे आरोपी को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

भोपाल। अवैध हथियार रखने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी निशातपुरा थाने में दर्ज मारपीट और चाकूबाजी के मामले में भी फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि क्राइम ब्रांच थाने में दर्ज अवैध हथियार के मामले में फरार चल रहा आरोपी हरी मजार के पास मौजूद है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची क्राइम ब्रांच की विशेष टीम ने बताए गए हुलिए के युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अमन खान उर्फ अमान खान (25) निवासी पानी की टंकी के पास, विश्वकर्मा नगर निशातपुरा बताया। आरोपी निशातपुरा थाने में दर्ज चाकूबाजी के मामले में भी एक साल से फरार चल रहा था।

बारह साल की बच्ची ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित जाटखेड़ी में कल शाम बारह साल की बच्ची ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर एम्स लेकर पहुंचे थे। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही बच्ची को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का सील कर दिया है। पुलिस का कहना है कि आज पीएम के बाद बच्ची के कमरे की तलाशी ली जाएगी।

अभी तक की जांच में पड़ताल में सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार अंजली वाघमारे पिता प्रदीप वाघमारे (12) जाटखेड़ी में रहती थी और कक्षा छठवी में थी। परिजन ने बताया की कल गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे के आसपास अंजली ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। फांसी के फंदे पर लटका देख परिजन ने उसे एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने बताया कि अंजली की मौत हो चुकी है।

मेट्रो एंकर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हॉल में तटवर्ती सुरक्षा समन्वय समिति की बैठक आयोजित

पेट्रोलियम संपत्तियों की सुरक्षा मध्यप्रदेश पुलिस के लिए सर्वोपरि: डीजीपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हॉल में गुरुवार को तटवर्ती सुरक्षा समन्वय समिति (ओएससीसी) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मध्यप्रदेश में तेल क्षेत्र की कंपनियों गेल, ओएनजीसी, आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल और बीना ऑइल रिफाइनरी ने हिस्सा लिया। बैठक डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तेल और गैस कंपनियों के संचालन में समन्वय, पारदर्शिता और महत्वपूर्ण पेट्रोलियम संपत्तियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और मध्य प्रदेश पुलिस इसे सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित इस बैठक में एडीजी इंटेलिजेंस जयदीप प्रसाद, ओएसीसी के सलाहकार और संयोजक सौरभ तौलुम्बिया, शचि घिड़याल तथा पुलिस विभाग और तेल व गैस क्षेत्र की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीजीपी श्री सक्सेना ने प्रदेश में ऊर्जा प्रतिष्ठानों और उनकी सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विरोधी ताकतों द्वारा हमले की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने तेल और गैस क्षेत्र की कंपनियों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और हर समय इसके लिए सख्त उपाय करने को लेकर तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ओएससीसी अपतटीय सुरक्षा पर प्रभाव डालने वाले किसी भी कारक की उपेक्षा नहीं कर सकता है और सभी हितधारकों को समन्वित व ठोस प्रयासों के साथ तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए। कंपनियों में सीसीटीवी सिस्टम्स अपग्रेड रहना चाहिए तथा समय-समय पर मॉकड्रिल भी होती रहना चाहिए। वर्कर्स, लेबर्स और ऑफिसर्स की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। मप्र पुलिस आपके सहयोग के लिए सदैव तैयार है। हम आपके सुझाव व विचारों पर पूरा ध्यान देंगे और आपकी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

सराहनीय कार्य के लिए किया सम्मानित

तेल क्षेत्र की कंपनियों की सुरक्षा की दिशा में उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर गुना जिले के राघौगढ़ की डीसीपी दीपा डुडवे और निरीक्षक जुबेर खान को डीजीपी श्री सक्सेना ने सम्मानित किया। दरअसल देश के सभी राज्यों द्वारा भारत सरकार के निदेर्शानुसार तटवर्ती सुरक्षा समन्वय समिति की स्थापना की गई है। इस समिति के गठन का उद्देश्य सुरक्षा के लिए तेल और गैस क्षेत्र की कंपनियों, पुलिस और राज्य के नागरिकों के बीच सुचारू और समन्वित प्रयास सुनिश्चित करना है। प्रदेश में ओएससीसी के अध्यक्ष मप्र के डीजीपी और संयोजक सलाहकार (सुरक्षा) गेल हैं।

पीपुल्स वर्ल्ड में खंभे लगाने के नाम पर ठेकेदार ने लगाई दो लाख की चपत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पीपुल्स वर्ल्ड के मैनेजर की शिकायत पर निशातपुरा पुलिस ने एक ठेकेदार के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने पीपुल्स वर्ल्ड में बिजली के खंभे लगाने का ठेका लिया था। अग्रिम राशि के दो लाख रुपए लेने के बाद भी ठेकदार काम शुरू नहीं कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक पीपुल्स वर्ल्ड कॉलोनी निशातपुरा निवासी रोहित तिवारी (33) पीपुल्स वर्ल्ड के मैनेजर हैं। विगत 13 फरवरी को उन्होंने बाबर खान नामक ठेकेदार को पीपुल्स वर्ल्ड में बिजली के खंभे लगाने का ठेका दिया था। ठेका करीब साढ़े तीन लाख रुपए में तय हुआ था। आरटीजीएस के माध्यम से रोहित तिवारी ने ठेकेदार बाबर खान को दो लाख रुपए अग्रिम राशि के तौर पर दे दिए थे। लेकिन अग्रिम राशि लेने के बाद भी बाबर खान ने बिजली के खंभे लगाने का काम शुरू नहीं किया। फरियादी रोहित तिवारी ने कई बार ठेकदार को बिजली के खंभे लगाने के लिए कहा लेकिन वह हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर टालता रहा। बाद में उसने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। आखिरकार फरियादी ने लिखित शिकायती आवेदन निशातपुरा पुलिस को दिया था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी ठेकेदार बाबर खान के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022